website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 121 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार, 11 अप्रैल 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

संक्षिप्त समाचार

- पश्चिम बंगाल की चुनावी रैली प्रधानमंत्री मोदी बोले-

मां-मानुष डरे हुए हैं टीएमसी राज में

कोलकाता (एजेंसी)। पीएम मोदी गुरुवार को पश्चिम बंगाल के बीरभूम में जनसभा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि- हम ऐसा समाज देखने चाहते हैं। जहां हर कोई भय से मुक्त हो। ये मां, माटी और मानुष की बात करते हैं। मां आज रो रही है, माटी पर घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है और मानुष भयभीत है, डरा हुआ है। उन्होंने कहा कि- गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ऐसा समाज देखना चाहते थे जहां हर कोई भय से मुक्त हो, लेकिन टीएमसी के महाजंगलराज ने एकदम उल्टा कर दिया। टीएमसी ने देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति का अपमान किया था। इससे पहले आज ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के आसनसोल में जनसभा की। उन्होंने कहा कि आपने टीएमसी पर विश्वास किया था, लेकिन टीएमसी ने बंगाल में निर्ममता की सारी हदें पार कर दी हैं। उन्होंने कहा कि 4 मई के बाद हर गुंडागर्दी का हिसाब लिया जाएगा। बंगाल में अब टीएमसी का भय नहीं, भाजपा का भरोसा चलेगा। लेफ्ट और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि- बीते कुछ दशकों में बंगाल ने हर पार्टी पर भरोसा करके देखा है। पहले कांग्रेस फिर लेफ्ट और फिर कांग्रेस। लेकिन ये सब एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं। इन लोगों नो सिर्फ बंगाल को धोखा दिया। - संबंधित खबर पेज 9 पर

नीतीश दिल्ली पहुंचे, बिहार में 13 अप्रैल बाद नई सरकार

आज राज्यसभा सांसद के रूप में लेंगे शपथ

नईदिल्ली (एजेंसी)। बिहार में सियासी उलटफेर की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज दिल्ली चले जाएंगे। इसके बाद शुक्रवार को सीएम नीतीश कुमार राज्यसभा सांसद के पद की शपथ ले लेंगे। इसी के साथ बिहार में नई सरकार के आकार लेने का काउंटडाउन भी शुरू हो जाएगा। बिहार के मंत्री और मुख्यमंत्री के करीबी सहयोगी विजय कुमार चौधरी ने साफ कर दिया है कि नीतीश कुमार शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दिल्ली रवाना होते ही सियासी हलचल तेज हो गई है। वहीं भाजपा के नेता और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी दिल्ली रवाना हुए। कल भाजपा की बैठक में दोनों उप मुख्यमंत्री शामिल होंगे। जिस तरह से नई सरकार के गठन की कवायद है उसको लेकर बैठकों का दौर लगातार जारी है। 48 से 72 घंटे के अंदर नए मुख्यमंत्री के नाम से पर्दा हटने की संभावना जताई जा रही है। सियासी गलियारों में चर्चाओं का दौर जारी है।

'जहरीले सांप' बयान पर नितिन बोले-

ये कांग्रेस की भाषा : खड़गे सिर्फ भाजपा-आरएसएस के खिलाफ बोल रहे, समाज में जहर घोलने की कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को मल्लिकार्जुन खड़गे के 'भाजपा-आरएसएस को जहरीला सांप' बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी लोगों को सांप्रदायिक आधार पर भड़काने की कोशिश है और सस्ती मानसिकता दिखाती है। नवीन ने मीडिया से कहा कि कांग्रेस की यह पुरानी परंपरा रही है कि वह ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करती है, जिनका समाज पर नकारात्मक असर पड़ता है। ऐसे बयानों के बाद जनता भाजपा को जीत का आशीर्वाद देती है। उन्होंने खड़गे के बयान के पीछे गांधी परिवार को जिम्मेदार ठहराया। कहा- ये गांधी परिवार के शब्द हैं।

तीन राज्यों से गुजरने वाला

अनोखा ग्रीन कॉरिडोर- 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन

210 किमी लंबा दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे, 100 की रफ्तार से दौड़ेंगे वाहन, जानवर रहेंगे सुरक्षित

नई दिल्ली/ देहरादून (एजेंसी)। 210 किमी लंबे और तीन राज्यों से गुजरने वाले इस एक्सप्रेस-वे का 20 किमी का हिस्सा राजाजी टाइगर रिजर्व में आता है। एक्सप्रेस-वे का 12 किमी का हिस्सा एशिया का सबसे लंबा वाइल्डलाइफ एलिवेटेड कॉरिडोर है। जानवर इसके नीचे से सुरक्षित निकल रहे हैं।

पहाड़ों के बीच बल खाती एक सिंगल लेन सड़क सामने अचानक हाथियों का झुंड, पीछे लंबा जाम। कभी उफनती नदी तो कभी शिवालिक पहाड़ियों से गिरता मलबा। पहले ऐसा था दिल्ली से देहरादून रोड पर आने वाला मोहंड बेल्ट। 210 किमी लंबे और तीन राज्यों से गुजरने वाले इस एक्सप्रेस-वे का 20 किमी का हिस्सा

राजाजी टाइगर रिजर्व में आता है। यह हिस्सा अब पूरी तरह बदल चुका है।

मोहंड घाटी के ऊपर बने एलिवेटेड कॉरिडोर। गाड़ी 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बिना ब्रेक, बिना जाम दौड़ रही हैं और नीचे हाथियों का झुंड गुजर रहा था। 20 किमी लंबे हिस्से में एलिवेटेड पार्ट 12 किमी का है। यह ग्रीन कॉरिडोर पर्यावरण संरक्षण और विकास के बीच संतुलन का बेहतरीन उदाहरण बनने जा रहा है। एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन 14 अप्रैल को पीएम नरेंद्र मोदी करेंगे।

मोहंड घाटी जिस बरसाती नदी से घिर जाती थी, वो अब नजर नहीं आती, क्योंकि उसे इस एलिवेटेड रोड के नीचे से निकाला गया है।

जंगल और विकास साथ-साथ

पे-पर-यूज टोल सिस्टम - टोल पारंपरिक नाकों वाला नहीं, बल्कि क्लोज्ड टोलिंग सिस्टम होगा। एंट्री-एग्जिट के आधार पर दूरी के हिसाब से शुल्क कटेगा। फास्टैग से बिना रुके भुगतान, जाम की समस्या नहीं। सहारनपुर के कुम्हारहेड़ा में एक टोल प्लाजा पहले से सक्रिय, बाकी एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स पर टोल गेट्स।

इस एक्सप्रेस-वे से क्या बदलेगा?

- **सफर तेज, खर्च कम** - 6-7 घंटे का सफर अब 2.5-3 घंटे में, दूरी 260 किमी से 210 किमी होगी।
- **सुरक्षा बेहतर**- 20 किमी जोखिम भरा पहाड़ी रास्ता अब 12 किमी एलिवेटेड, एक्सीडेंट रिस्क कम।
- **प्रदूषण घटेगा**- सालाना 93 लाख किलो कार्बन उत्सर्जन घटेगा।
- **पर्यटन, व्यापार बूस्ट**- हरिद्वार-ऋषिकेश-देहरादून का सफर आसान, छुटमलपुर इंटरचेंज से लॉजिस्टिक्स तेज। पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।
- **छोटे शहरों को फायदा**- बागपत, शामली, सहारनपुर जैसे शहरों में एक्सप्रेस-वे पर नए ग्रोथ हब बनेंगे।

- सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला केस की सुनवाई में सरकार बोली

कई मंदिरों में प्रसाद रूप में वितरित होती है शराब

- *ऐसा तो आप कल इसपर भी आपत्ति उठा सकते हैं?*

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला केस की सुनवाई के दौरान भारत के मंदिरों में रीति-रिवाजों का जिक्र किया। एएसजी नटराज ने कहा, दक्षिण भारतीय मंदिरों में प्रसाद के रूप में मदिरा दी जाती है। कल को आप इस पर यह आपत्ति नहीं उठा सकते कि मदिरा न दी जाए।

एक उदाहरण देता हूं, कई मंदिरों में शाकाहारी भोजन परोसा जाता है, और अगर कोई व्यक्ति अपनी पसंद या अंतरात्मा की आवाज पर कहता है कि वह मांसाहारी भोजन करना चाहता है, तो वह किसी खास संप्रदाय के पास जाकर यह नहीं कह सकता कि मेरा यह अधिकार है और मुझे यही परोसा जाना चाहिए। उसे उन श्रद्धालुओं के अधिकारों में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है।

जिन पर सुप्रीम कोर्ट फैसला करेगा

- सबरीमाला मंदिर में महिलाओं का प्रवेश
- दाऊदी बोहरा समुदाय में महिलाओं का खतना
- मस्जिदों में महिलाओं का प्रवेश
- पारसी महिलाओं का अग्निमंदिर में प्रवेश
- मुस्लिम पर्सनल लॉ से जुड़े लैंगिक भेदभाव के प्रश्न।

सीजेआई बोले- हर सवाल का जवाब सिर्फ थ्योरी से नहीं दिया जा सकता

वैद्यनाथन - अनुच्छेद 32 (फंडामेंटल राइट्स की सुरक्षा) के तहत हर धार्मिक समूह अपने अधिकारों की रक्षा के लिए कोर्ट जा सकता है। अगर सरकार सामाजिक सुधार के लिए कोई कानून बनाती है और उसका असर धार्मिक प्रथाओं पर पड़ता है। तो उसका असर अनुच्छेद 26 (धार्मिक संस्थाओं के अधिकार) पर भी पड़ सकता है। यानी यह कहना सही नहीं है कि अनुच्छेद 26 पर कभी असर ही नहीं पड़ेगा। इस सवाल का जवाब सिर्फ थ्योरी से नहीं दिया जा सकता। असल में यह हर केस के हिसाब से तय होगा।

वैद्यनाथन बोले-

धर्म से जुड़े तमाम उदाहरण, जहां अदालत दखल नहीं देती- केरल में जब पुर्तगाली आए, तो उन्होंने वहां के सीरियन ऑर्थोडॉक्स ईसाइयों को कैथोलिक बनाने की कोशिश की। लोगों ने इसका विरोध किया। उन्होंने एक जंजीर पकड़कर कहा कि कुछ भी हो जाए, हम अपना धर्म नहीं बदलेंगे। इसी तरह आयरलैंड में जब ब्रिटिश शासन था, तो कैथोलिक लोगों के साथ भेदभाव किया जाता था। उन्हें जमीन रखने जैसे अधिकार नहीं दिए जाते थे और उन पर धर्म बदलने का दबाव भी डाला जाता था। इसी वजह से आज तक वहां कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट के बीच तनाव बना हुआ है। कुल मिलाकर बात यह है कि धर्म से जुड़े ऐसे विवाद बहुत संवेदनशील होते हैं, इसलिए अदालतें आमतौर पर इनमें हस्तक्षेप नहीं करतीं या फैसला नहीं देतीं।

असम, केरलम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव में हुई जमकर वोटिंग

पांडुचेरी में कांग्रेस-भाजपा समर्थक भिड़े

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी (एजेंसी)। देश के तीन महत्वपूर्ण राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों में आज विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ। असम, केरलम और पुडुचेरी में एक ही चरण में वोटिंग कराई गई। मतदान सुबह 7 बजे शुरू होकर शाम 6 बजे तक चला। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे,हजारों पुलिसकर्मी और केंद्रीय बल तैनात थे। दोपहर 5 बजे तक असम में 84.42 प्रतिशत, केरलम में 75.01 प्रतिशत और पुडुचेरी में 86.92 प्रतिशत मतदान हो गया था। देश के तीन राज्यों असम, केरलम और पुडुचेरी में आज विधानसभा चुनाव के लिए सिंगल फेज में वोटिंग चल रही है। कुल 296 सीटों पर मतदान हुआ।

पुडुचेरी में मन्नादिपेट में पोलिंग बूथ पर कांग्रेस और भाजपा समर्थकों में झड़प हो गई।

गोगोई बोले-

चुनाव के बाद एक शक्तिशाली और नया असम उभरेगा- जोरहाट (असम) में राज्य कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने अपना वोट डाला और कहा कि चुनाव के बाद एक शक्तिशाली, निडर, आत्मविश्वासी और नया असम उभरेगा।

बाक्स-पी5-

पुडुचेरी में मतदान केंद्र पर रोबोट ने मतदाताओं का फूलों से स्वागत किया।

छाती पर बैठकर सड़क पर चाकू से सिर काटा

- अररिया में बीच रोड पर सिर रखा, भीड़ ने आरोपी को भी पीटकर मार डाला

अररिया (एजेंसी)। अररिया में गुरुवार को एक शख्स ने दूसरे शख्स का गला काटकर उसका सिर बीच सड़क पर रख दिया। मृतक की पहचान मो. नवी हुसैन के रूप में हुई है। जिसने वारदात को अंजाम दिया उसका नाम रवि चौहान बताया जा रहा है। नवी ड्राइवर था और रवि सत्तू की दुकान चलाता था। रवि ने नवी की छाती पर बैठकर बीच सड़क उसकी गर्दन काटी। इसका वीडियो भी सामने आया है। वारदात के बाद रवि 5 मिनट तक हाथ में चाकू लिए वहीं खड़ा रहा। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने आरोपी को भी पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

क्या 48 घंटे में ही टूट जाएगा सीजफायर

- ट्रम्प बोले- समझौते तक ईरान के आसपास आर्मी तैनात रहेगी
- नेतन्याहू अब ट्रम्प की भी नहीं सुन रहे, लेबनान में बरपा इजरायल का कहर

अमेरिका ने सीजफायर की 3 शर्तें तोड़ीं,अब बातचीत बेकार : ईरान

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। ईरान ने अमेरिका पर सीजफायर की तीन अहम शर्तें तोड़ने का आरोप लगाया है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका ने 10-पॉइंट प्रस्ताव की बुनियादी शर्तों का उल्लंघन किया है। ईरान ने कहा कलेबनान में हमले जारी रहते हुए सीजफायर की बात मंजूर नहीं है। ऐसा लग रहा है कि नेतन्याहू अब ट्रम्प की भी नहीं सुन रहे और लेबनान में कहर बरपा रहे हैं। ईरान ने साफ कहा है कि जिस आधार पर बातचीत होनी थी, वही पहले ही टूट चुका है। ऐसे में अब बातचीत या सीजफायर तर्कसंगत नहीं रह गया है। वहीं,

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि जब तक ईरान के साथ हुआ समझौता पूरी तरह लागू नहीं होता, तब तक अमेरिकी सेना ईरान के आसपास तैनात रहेगी। - संबंधित खबर पेज 12 पर

15,400 टन एलपीजी लेकर भारत पहुंचा जहाज ग्रीन आशा

भारतीय झंडे वाला एलपीजी टैंकर 'ग्रीन आशा' 15,400 टन गैस लेकर भारत पहुंचा है। होर्मुज स्ट्रेट पार कर यह जहाज गुरुवार को नवी मुंबई के जेएनपी (जवाहरलाल नेहरू पोर्ट) पर डॉक किया।

- ईरान ने होर्मुज पर कहा धमाके से बचने के लिए हमसे बात करें, प्रति बैरल 1 डॉलर टोल लगेगा- ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों के लिए नया मैप जारी किया है। इसका मकसद जहाजों को समुद्र में बिछी बारूदी सुरंगों से बचाना है। इस मैप में उन खतरनाक इलाकों को दिखाया गया है, जहां जहाजों का जाना मना है। रिपोर्ट के मुताबिक, पहले जहाज ओमान के किनारे के पास से गुजरते थे, लेकिन अब उन्हें ईरान के किनारे के पास से निकलने की सलाह दी गई है। इससे माइन वाले इलाकों से बचा जा सकता है। ईरान ने जहाजों से कहा है कि वे पहले उसके अधिकारियों से संपर्क करें, तभी उन्हें सुरक्षित रास्ता बताया जाएगा। ईरान हर बैरल तेल पर 1 डॉलर टैक्स लेने की तैयारी कर रहा है और यह पैसा क्रिप्टो करेंसी में लेना चाहता है।

सिक्किम में बर्फबारी-लैंडस्लाइड

फंसे 135 टूरिस्ट को सेना ने बचाया

राजस्थान में अप्रैल में सर्दी, उत्तराखंड-हिमाचल में बर्फ गिरी,देश के 17 राज्यों में आंधी-तूफान का अलर्ट

लखनऊ/शिमला/देहरादून/भोपाल (एजेंसी)। सिक्किम में भारी बर्फबारी के बीच कई जगह लैंडस्लाइड के कारण सड़क संपर्क टूट गया। लाचेन में करीब 1,000 पर्यटक फंसे हुए हैं और उन्हें जल्द से जल्द बचाने के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। सेना ने कुल 135 फंसे पर्यटकों को बचाया है।

उत्तर भारत में 3 वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से अप्रैल में भी सर्दी का अहसास हो रहा है। राजस्थान में 20 दिनों से बदले मौसम के कारण तापमान 7 डिग्री तक कम हुआ है।मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ और बिहार समेत 17 राज्यों में आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, सिक्किम, बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

बिहार में काल बैसाखी सिस्टम एक्टिव हो गया है। काल बैसाखी अचानक आने वाला तेज आंधी-तूफान होता है। यह अप्रैल-मई (वैशाख) में आता है। इसके एक्टिव होने पर 50-100 किमी की रफ्तार से हवाएं चलती हैं, बारिश और ओले गिरते हैं।

गुरुग्राम में हड़ताली कर्मचारियों पर लाठीचार्ज

- एक का सिर फूटा-20 घायल, पुलिस की बाइक फूंकी-गाड़ी तोड़ी; सैलरी बढ़ाने के नोटिस लगे

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम के मानेसर में हड़ताली कर्मचारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। एक कर्मचारी का सिर फूट गया। गुस्साए लोगों ने पुलिस की बाइक फूंक दी। कंपनियों ने वेतन बढ़ाने के नोटिस लगाए।

हरियाणा के गुरुग्राम स्थित मानेसर में धारा 163 लागू होने के बावजूद वीरवार को हजारों की संख्या में हड़ताली कर्मचारी जुट गए। जिन्हें खदेड़ने के लिए पुलिस लाठीचार्ज किया। जिससे मामला भगदड़ की स्थिति बन गई।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

दोनों पक्षों में अविश्वास की खाई बहुत बढ़ गई है

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने पूरी दुनिया को एक बार फिर अस्थिरता के मुहाने पर ला खड़ा किया है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ती तल्ख़ी केवल दो देशों का विवाद नहीं रह गई है, बल्कि इसका असर वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और आम जनजीवन तक साफ़ दिखाई दे रहा है। जिस तरह से कठोर बयानबाज़ी और युद्ध की धमकियां सामने आ रही हैं, उसने दोनों पक्षों के बीच अविश्वास की खाई को और गहरा कर दिया है। अमेरिका द्वारा ईरान को "पाषाण युग में भेजने" जैसी चेतावनी और इसके जवाब में ईरान की ओर से पूरे खाड़ी क्षेत्र को तबाह करने की धमकी, यह संकेत देती है कि मामला अब केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि अहंकार और शक्ति प्रदर्शन का रूप ले चुका है। जब अंतरराष्ट्रीय संबंधों में विवेक की जगह आक्रामकता ले लेती है, तो शांति की संभावनाएं स्वतः ही कमजोर पड़ जाती हैं। इस संघर्ष का सबसे गंभीर प्रभाव ऊर्जा क्षेत्र पर पड़ा है। खाड़ी क्षेत्र, जो दुनिया के सबसे बड़े पेट्रोलियम भंडारों में से एक है, लगातार अस्थिर बना हुआ है। तेल और गैस की कीमतों में तेज़ उछाल ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया है। पेट्रोल, डीजल, एलपीजी से लेकर उद्योगों के लिए आवश्यक कच्चे माल तक सब कुछ महंगा हो गया है। इसका सीधा असर गरीब और विकासशील देशों पर पड़ा है, जहां पहले से ही आर्थिक चुनौतियां मौजूद हैं। स्थिति को और जटिल बनाता है हॉर्मुज जलडमरूमध्य, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का अहम मार्ग है। इसके अवरुद्ध होने की आशंका ने दुनिया की जीडीपी तक को प्रभावित किया है। यदि यह संकट लंबा खिंचता है, तो वैश्विक मंदी का खतरा भी बढ़ सकता है। राजनीतिक स्तर पर भी इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। डोनाल्ड ट्रम्प के लिए यह संघर्ष घरेलू राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बन सकता है। यदि आगामी चुनावों में उन्हें झटका लगता है, तो संसद में उनके खिलाफ जांच और दबाव की स्थिति पैदा हो सकती है। इसके बावजूद, ईरान की जनता का मनोबल अभी तक कायम है, जो इस बात का संकेत है कि केवल सैन्य शक्ति से किसी राष्ट्र को झुकाना आसान नहीं होता। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या दोनों पक्ष इस बढ़ती आग को समय रहते शांत कर पाएंगे, या यह संघर्ष और व्यापक रूप ले लेगा। स्पष्ट है कि वर्तमान हालात में संवाद और कूटनीति ही एकमात्र रास्ता है। यदि अहंकार पर नियंत्रण नहीं रखा गया, तो इसका खामियाजा केवल इन देशों को ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा।

युद्ध अपराधी है डोनॉल्ड ट्रंप व नेतन्याहू

ट्रंप की दुनिया में फ़ज़ीहत

तनवीर जाफ़री

नेतन्याहू के इशारों पर यह हत्याएं घने रिहायशी इलाक़ों, स्कूल्स, बाज़ार, अस्पताल, स्कूल यहाँ तक कि शरणार्थी कैम्पस में और भूख की तपिश से जूझ रहे खाद्य सामग्री लेने की लाइन में लगे असहाय लोगों पर बम व गोले बरसा कर उनकी जान लेकर की गयी हैं। यही वजह है कि नेतन्याहू पर अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने युद्ध अपराध वारंट जारी किया हुआ है। नेतन्याहू पर भुखमरी को युद्ध का हथियार बनाना, जानबूझकर नागरिक आबादी पर हमला निर्देशित करना, मानवता के ख़िलाफ़ अपराध, हत्या, उत्पीड़न व अन्य अमानवीय कृत्य जैसे युद्ध अपराध शामिल हैं। आज भी नेतन्याहू अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के भगौड़े अपराधियों की श्रेणी में शामिल हैं। परन्तु युद्ध अपराधी भगौड़ा नेतन्याहू अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को मान्यता नहीं देता। उल्टे इसे यहूदी-विरोधी तथा राजनीतिक साज़िश बताकर अपने युद्ध अपराध पर पर्दा डालने की कोशिश करता है। इसी युद्ध अपराधी नेतन्याहू के जाल में फंसकर राष्ट्रपति ट्रंप भी युद्ध अपराध करते जा रहे हैं। ईरान को पाषाण युग में पहुंचाने की उनकी धमकी इस बात का सुबूत है कि ऐसे मानसिक रोगी राजनीतिज्ञ की जगह जेल में होनी चाहिये। दुनिया को यह सोचना पड़ेगा कि आख़िर क्या वजह है कि...

अमेरिका व इज़राइल द्वारा संयुक्त सैन्य अभियान चलाकर ईरान पर थोपे गये बेलात युद्ध को पांच सप्ताह बीत चुके हैं। पूरी दुनिया में अपनी फ़ज़ीहत होती देख राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने अब खिसियाहट में ईरान के आधारभूत ढांचों को नुक़सान पहुँचाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में अमेरिका ने पिछले दिनों ईरान की राजधानी तेहरान और कराज़ को जोड़ने के लिए बनाये जा रहे राजधानी के सबसे ऊँचे सस्पेंशन ब्रिज को ध्वस्त कर दिया। लगभग 1 किलोमीटर से अधिक लंबे और 136 मीटर ऊँचे इस निर्माणाधीन हाई-राइज़ ब्रिज पर पिछले दिनों अमेरिका और इज़राइल ने मिलकर दो बार एयरस्ट्राइक की। इन हवाई हमलों के परिणामस्वरूप पुल का बड़ा हिस्सा बर्बाद हो गया। इस हमले में कम से कम 8 लोग मारे गए और 100 से अधिक घायल हुए। इस हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इस पुल के ढहते हुए वीडियो शेयर कर ईरान को धमकी देते हुये लिखा कि डील कर लो, वरना बहुत देर हो जाएगी। उन्होंने लिखा कि अगर ईरान ने अपना रुख़ नहीं बदला तो उस देश में कुछ भी नहीं बचेगा जो कभी महान देश बन सकता था।

ट्रंप ने इस हमले को अमेरिकी सेना की ताक़त का छोटा नमूना बताया और यह संकेत दिया कि अगर ईरान डील से मना करता है तो देश के पावर प्लांट, ट्रांसपोर्ट नेटवर्क आदि अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर भी अगले निशाने हो सकते हैं। इसी अमेरिका ने युद्ध की शुरुआत में 28 फ़रवरी को ही ईरान के मिनाब शहर में शजारेह तैय्येबह बालिका प्राथमिक स्कूल की ईमारत पर टॉमहॉक मिसाइल मिसाइल से हमला कर लगभग 175 लोगों को शहीद कर दिया था इनमें अधिकांश स्कूल की बच्चियां शामिल थीं। स्कूल के पास ही दवाख़ाना व अन्य नागरिक सुविधाएं भी थीं। इसी हमले के चलते न केवल ईरान ने अमेरिका को युद्ध अपराध का दोषी ठहरा दिया था बल्कि दुनिया भर में भी इसे युद्ध अपराध क़रार दिया गया। ग़ौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के मूल सिद्धांतों के तहत जिनेवा कन्वेंशन्स 1949 व इसके एडिशनल प्रोटोकॉल्स 1977 के अंतर्गत युद्ध में रिहाइशी इलाक़ों,स्कूलों, अस्पताल, पानी की व्यवस्था संबंधित प्लांट्स, बिजली ग्रिड,पुल जैसे बुनियादी ढांचों पर हमले सामान्यतः नहीं किए जा सकते। ये युद्ध अपराध माने जाते हैं। युद्ध में लड़ाई के दौरान सैनिकों,सैन्य लक्ष्यों और नागरिकों व नागरिक सुविधा संबंधी वस्तुओं के बीच स्पष्ट अंतर करना ज़रूरी है। परन्तु अमेरिका तो क्या उसकी शह व संरक्षण में युद्धरत इस्राइल को भी न तो मानवीय क़ानून की फ़िक्र है न ही जिनेवा कन्वेंशन्स में निर्धारित युद्ध के सिद्धांतों की। इसीलिये अपनी अपार शक्ति व सर्वोच्चता के नशे में चूर अमेरिका व उसके पिछलग्गू इजराइल द्वारा हर संभव युद्ध अपराध किया जा रहा है। गाज़ा में तो नेतन्याहू के नेतृत्व में इजराइल ने दरिन्दगी का वह इतिहास रचा है जिसने युद्ध अपराध की सभी सीमाओं को पार कर दिया है। सरकारी आंकड़े बताते है कि 7 अक्टूबर 2023 से 25 मार्च 2026 तक इजराइली सेना द्वारा 72,265 फ़िलिस्तीनी मारे जा चुके हैं जबकि 1,71,959 लोग घायल हुए। यहाँ तक कि 10 अक्टूबर 2025 को लागू हुये युद्धविराम के बाद भी इजराइल ने लगभग 700 लोगों को मार दिया

है। हालाँकि कुछ स्वतंत्र अध्ययन कुल मौतों का आंकड़ा 75,000 से ज़्यादा बता रहे हैं। स्वयं इजराइली सेना ने जनवरी 2026 में 70,000 मौतों का आंकड़ा स्वीकार किया था। कुल लगभग 22-23 लाख की आबादी वाले इस इलाक़े में 19 लाख से ज़्यादा लोग एक या कई बार विस्थापित हुए हैं। नतीजतन आज भी 17 लाख से ज़्यादा लोग अस्थायी विस्थापन कैंप्स में रह रहे हैं। इनमें से ज़्यादातर लोगों के घर-मकान नष्ट हो चुके हैं जिसके चलते लोग बेघर हैं। नेतन्याहू के इशारों पर यह हत्याएं घने रिहायशी इलाक़ों, स्कूल्स, बाज़ार, अस्पताल, स्कूल यहाँ तक कि शरणार्थी कैम्पस में और भूख की तपिश से जूझ रहे खाद्य सामग्री लेने की लाइन में लगे असहाय लोगों पर बम व गोले बरसा कर उनकी जान लेकर की गयी हैं। यही वजह है कि नेतन्याहू पर अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने युद्ध अपराध वारंट जारी किया हुआ है। नेतन्याहू पर भुखमरी को युद्ध का हथियार बनाना, जानबूझकर नागरिक आबादी पर हमला निर्देशित करना, मानवता के ख़िलाफ़ अपराध, हत्या, उत्पीड़न व अन्य अमानवीय कृत्य जैसे युद्ध अपराध शामिल हैं। आज भी नेतन्याहू अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के भगौड़े अपराधियों की श्रेणी में शामिल हैं। परन्तु युद्ध अपराधी भगौड़ा नेतन्याहू अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को मान्यता नहीं देता। उल्टे इसे यहूदी-विरोधी तथा राजनीतिक साज़िश बताकर अपने युद्ध अपराध पर पर्दा डालने की कोशिश करता है। इसी युद्ध अपराधी नेतन्याहू के जाल में फंसकर राष्ट्रपति ट्रंप भी युद्ध अपराध करते जा रहे हैं। ईरान को पाषाण युग में पहुंचाने की उनकी धमकी इस बात का सुबूत है कि ऐसे मानसिक रोगी राजनीतिज्ञ की जगह जेल में होनी चाहिये। दुनिया को यह सोचना पड़ेगा कि आख़िर क्या वजह है कि उनके सलाहकारों से लेकर सैन्य विभाग के अनेक बड़े अधिकारी तक इस अवैध युद्ध का विरोध करते हुये क्योंकर इस सनकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ खड़े होने के बजाये अपने इस्तीफ़े दे रहे हैं। नाटो सहित उसके कई सहयोगी देश खुलकर ट्रंप के ईरान में सैन्य हस्तक्षेप का विरोध कर रहे हैं। और आज ईरान की ताक़त व उसकी रक्षात्मक व आक्रामक शक्ति का अंदाज़ा किये बिना ईरान पर हमला बोल देने और परणामस्वरूप अमेरिका द्वारा ऐतिहासिक क्षति का सामना करने से अमेरिका के महाशक्ति होने का जो भरम टूटा है उसका ज़िम्मेदार भी ट्रंप ही है। और इसी सन्दर्भ में ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची को यह कहना पड़ा है कि अधूरे बने पुलों समेत इंफ्रास्टक्चर पर हो रहे हमले ईरानियों को सरेंडर करने के लिये मजबूर नहीं कर सकते। यह केवल अव्यवस्था में फंसे दुश्मन की हार और उस के नैतिक पतन को दिखाता है। साथ ही अरागची ने यह भी कहा कि हर पुल और ईमारत को पहले से ज़्यादा मज़बूती के साथ बनाया जायेगा।

मंथन

विवेक शुक्ला

सेहत और पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे स्ट्रा

हम सब अपने पसंदीदा पेय ठंडी कॉफी, ताजा नींबू पानी या कोक को पीने के लिए स्ट्रॉ का इस्तेमाल बिना एक पल सोचे कर लेते हैं। ये हमें सुविधाजनक, साफ़-सुथरा और सुरक्षित लगता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह छोटा-सा प्लास्टिक या पेपर स्ट्रॉ हमारी सेहत और पर्यावरण दोनों को चुपचाप नुकसान पहुंचा रहा है? इन छोटे से स्ट्रॉ का केवल कुछ मिनटों के लिए इस्तेमाल होता है, इसलिए इनसे होने वाले नुकसान की कोई चर्चा ही नहीं हो पाती है। दुनिया भर में हर दिन इस्तेमाल किए जाने वाले स्ट्रा समुद्र तट और महासागर की सफाई के दौरान सबसे आम कचरे में से एक होते हैं। अपने छोटे और हल्के आकार के कारण स्ट्रॉ की शायद ही कभी रीसाइक्लिंग होती हो। ये नदियों, समुद्रों और कचरा स्थलों (लैंडफिल) में पहुंच जाते हैं, जहां ये सैकड़ों साल तक बने रह सकते हैं। राजधानी के पर्यावरणविद और उद्यमी गुरसेव चावला कहते हैं, "भारत में हमारी बड़ी आबादी और बढ़ती कैफ़े कल्चर के कारण स्ट्रॉ का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिससे समस्या और गंभीर हो रही है।" कुछ साल पहले, दुनिया के कई हिस्सों में प्लास्टिक स्ट्रॉ पर प्रतिबंध लगना शुरू हुआ, जिसका लोगों ने स्वागत किया। इसके बाद पेपर और मकई से बने प्लास्टिक के स्ट्रॉ बाजार में आए और उन्हें "पर्यावरण के अनुकूल" विकल्प के रूप में देखा गया, लेकिन लोगों की धारणा और वास्तविकता के बीच अंतर है। प्रख्यात चिकित्सक और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं, "कई पेपर स्ट्रॉ में रसायन होते हैं, जिन्हें 'फॉरएवर केमिकल्स' भी कहा जाता है। ये आसानी से नष्ट नहीं होते और लंबे समय तक पर्यावरण और हमारे शरीर में बने रह सकते हैं। इन्हें नष्ट करने के लिए विशेष औद्योगिक परिस्थितियों की जरूरत होती है, जो भारत के अधिकांश शहरों में उपलब्ध नहीं हैं।" प्लास्टिक स्ट्रॉ सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली एकल-उपयोग (सिंगल-यूज़) वस्तुओं में से एक हैं। जब ये गर्मी, धूप या नींबू पानी जैसे अम्लीय पेय के संपर्क में आते हैं, तो ये माइक्रोप्लास्टिक नामक छोटे कण छोड़ जाते हैं। माइक्रोप्लास्टिक बहुत छोटे प्लास्टिक कण होते हैं, जो हमारे भोजन और पेय के माध्यम से हमारे शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। प्लास्टिक में ऐसे रसायन भी होते हैं जो हमारे हार्मोन को प्रभावित कर सकते हैं और समय के साथ हमारी सेहत को तबाह करने लगते हैं। एक स्ट्रॉ भले ही नुकसानदेह न लगे, लेकिन इसके नियमित इस्तेमाल से इसका प्रभाव बढ़ता जाता है और यह एक गंभीर चिंता का कारण बन सकता है। यह दिखाता है कि केवल प्लास्टिक को किसी अन्य सामग्री से बदलना पर्याप्त नहीं है-विकल्प वास्तव में सुरक्षित और टिकाऊ होना चाहिए। यहीं पर गन्ने के बगैस से बने स्ट्रॉ एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आते हैं। बगैस का हिंदी अर्थ खोई है, जो गन्ना या ज्वार का रस निकालने के बाद बचा हुआ सूखा, रेशेदार अवशेष होता है। यह मुख्य रूप से चीनी मिलों में ईंधन, बिजली उत्पादन, कागज़, लुगदी और पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग सामग्री (डिस्पोजेबल प्लेट, कप) बनाने के लिए एक नवीकरणीय स्रोत के रूप में उपयोग किया जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह भारत में आसानी से उपलब्ध है। आप इसे देश के बड़े चीनी उद्योग का उप-उत्पाद कह सकते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि बगास से बने स्ट्रॉ के कई फायदे हैं। जैसा कि ये पूरी तरह प्लास्टिक-मुक्त और गैर-विषैले होते हैं, इनमें हानिकारक रसायन नहीं होते और ये प्राकृतिक रूप से नष्ट हो जाते हैं और घर पर भी गल सकते हैं। ये कृषि अपशिष्ट से बनाए जाते हैं, जिससे बेकार चीज़ उपयोगी बन जाती है। ये रोज़मर्रा के उपयोग के लिए पर्याप्त मज़बूत होते हैं और पेय में कोई हानिकारक पदार्थ नहीं छोड़ते। सबसे अच्छी बात ये यह है कि बगास आधारित उत्पादों का उत्पादन पहले से ही बढ़ रहा है। पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों की बढ़ती मांग और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक पर सख्त नियमों के कारण कई व्यवसाय अब ऐसे विकल्प अपनाने लगे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आज के उपभोक्ता अधिक जागरूक हो रहे हैं। वे उन ब्रांड्स को पसंद करते हैं जो वास्तव में पर्यावरण की परवाह करते हैं। व्यवसायों के लिए सुरक्षित विकल्प अपनाने से विश्वास और ब्रांड छवि दोनों में सुधार हो सकता है। सरकारी नीतियां भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। केवल प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाना पर्याप्त नहीं है। यह स्पष्ट होना चाहिए कि "सुरक्षित" और "कम्पोस्टेबल" किसे कहा जाए। भ्रामक दावों पर नियंत्रण होना चाहिए और कृषि अपशिष्ट का उपयोग करने वाले उद्योगों को समर्थन मिलना चाहिए। अब समय है कि हम सुविधा से आगे बढ़कर जागरूक विकल्प चुनें-एक-एक घूंट के साथ।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

हम अपने भीतर अच्छा स्वास्थ्य कैसे लाएं?

संकलित

दर्शन

क्या आप सचमुच स्वस्थ हैं? स्वास्थ्य का अर्थ है, रोग-मुक्त शरीर, कंपन-मुक्त श्वास, तनाव-मुक्त मन, संकोच-मुक्त बुद्धि, आसक्ति-मुक्त स्मृति, समावेशी अहंकार और दुःख से मुक्त आत्मा। समग्र स्वास्थ्य के लिए व्यायाम, श्वास और ध्यान का अभ्यास आवश्यक है। श्वास ही जीवन है। हमारा जीवन हमारी श्वास में है। यदि कोई श्वास नहीं ले रहा, तो इसका अर्थ है- वहां जीवन नहीं है। ध्यान, प्राणायाम और योगिक अभ्यासों का मुख्य उद्देश्य प्राण या जीवन ऊर्जा को बढ़ाना है। दरअसल प्राण भावनाओं से भी अधिक सूक्ष्म होता है। जब हम सूक्ष्म स्तर पर ध्यान देते हैं, तो स्थूल स्वतः ठीक हो जाता है। जब आप श्वास को संभालते हैं, तो शरीर स्वस्थ हो जाता है। यदि आपकी श्वास गरम, हिलती-डुलती, असमान या असहज है, तो यह रोग का संकेत है। श्वास का पैटर्न शरीर में उपस्थित विषाक्त तत्त्वों और संभावित रोगों की सूचना देता है। हमारी श्वास में अनेक रहस्य छिपे हैं। क्योंकि मन की हर भावना के साथ श्वास की एक विशेष लय जुड़ी होती है। हर लय शरीर के किसी विशेष भाग को प्रभावित करती है। जरा ध्यान से देखें। जब हम प्रसन्न होते हैं तो विस्तार का अनुभव होता है और जब दुखी होते हैं तो संकुचन का। हम इन अनुभूतियों को तो महसूस करते हैं, पर उनके बीच संबंध को नहीं पहचानते। इसलिए जब आप सीधे मन को नियंत्रित नहीं कर पा रहे हों, तो श्वास के माध्यम से मन को नियंत्रित किया जा सकता है।

जब मन हो अशांत, इष्टदेव का ध्यान करें

संकलित

प्रेरणा

शुकदेव राजा परीक्षित को कथा सुना रहे थे, उस समय राजा ने पूछा कि आजकल लोग इतने बेचैन क्यों हैं? लोगों का मन अशांत क्यों है? शुकदेव ने राजा को एक कथा सुनाई कि एक दिन पृथ्वी ने भी भगवान से यही बात पूछी थी। पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि ये लोग जो खुद मौत के खिलौने हैं। ये सभी मुझे यानी धरती, राज्य जीतना चाहते हैं। अभी तक मुझे यानी धरती को कोई भी मृत्यु के बाद अपने साथ ऊपर नहीं ले जा सका है। लोग ये बात क्यों नहीं समझते हैं? शुकदेव ने राजा से कहा कि पृथ्वी ने ये सभी बातें भगवान से इसलिए कहीं थीं, कि धरती पर जो धन-संपत्ति है, वही सारे झगड़ों की जड़ है। सभी चाहते हैं कि मेरे पास दूसरों से ज्यादा वैभव हो, सभी इसी में लगे हुए हैं। जिस दिन इस दुनिया से जाएंगे, सब कुछ यहीं रह जाएगा। परीक्षित ने शुकदेव की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आजकल इतनी अशांति है तो शांति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? शुकदेव ने कहा कि जब भी हमारा मन अशांत हो, हमें भगवान के नामों का जप करना चाहिए, ध्यान, पूजा-पाठ करना चाहिए। अपने इष्टदेव के नामों का जप करने से नकारात्मकता दूर होती है, मन शांत होता है। मंत्र जप से शरीर में जो परिवर्तन होते हैं, उनसे मन शांत होता है।

अंतर्मन

आज की पाती

शादियों का स्वरूप बहुत बदल गया

भारत में शादी सिर्फ दो लोगों का मिलन नहीं बल्कि एक बड़ा सामाजिक आयोजन भी माना जाता है। यहां शादी में परिवार, रिश्तेदार, दोस्त और पूरा समाज शामिल होता है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में शादियों का स्वरूप बहुत बदल गया है। आजकल कई शादियां इतनी भव्य और महंगी हो गई हैं कि उनमें करोड़ों रुपए तक खर्च किए जाते हैं। बड़े-बड़े होटल, महंगे कपड़े, विदेशी सजावट, मशहूर कलाकारों के कार्यक्रम और कई दिनों तक चलने वाले समारोह अब आम बात हो गए हैं। ऐसी शादियों का सबसे बड़ा प्रभाव गरीब वर्ग पर पड़ता है। जब समाज में अमीर लोग बहुत महंगी शादियां करते हैं तो बाकी लोगों पर भी वैसी ही शादी करने का दबाव बनने लगता है। आर्थिक क्षमता से अधिक खर्च बोझ बन जाता है।

– सुरेश यादव, बिलासपुर

ट्रेंड

पाक के टुकड़े होंगे

पाकिस्तान एक बार खामियाजा भुगत चुका है। आज से 55 वर्ष पहले पाकिस्तान दो टुकड़ों में खण्ड-खण्ड हो गया था। अगर उन्होंने हमारे बंगाल की तरफ नजर उठाकर देखने की कोशिश की तो कितने टुकड़े होंगे, यह ऊपर वाला ही जानता है।

- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

तकनीकी उत्कृष्टता

भारत परमाणु शक्ति के एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। कलपक्कम में प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर हमारी तकनीकी उत्कृष्टता और राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा का प्रतीक है। अपने विशाल थोरियम भंडार का उपयोग करके, भारत ऊर्जा क्षेत्र में वर्चस्व और दीर्घकालिक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक निर्णायक कदम उठा रहा है।

-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

स्वास्थ्य सेवा प्रणाली

नर्सें हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की आधारशिला हैं। उनका समर्पण, निस्वार्थ भाव और सहानुभूति ही परिवारों को अपने प्रियजनों को उनकी देखभाल में सौंपने का सुरक्षित एहसास दिलाती है।

- राहुल गांधी, सांसद, सपा

शिक्षामित्रों का हक

भाजपा सरकार ने 9 साल शिक्षामित्रों का हक मारा और अब बढ़ाया भी तो भी सपा सरकार से 22 हजार कम है। अब जब भाजपा सरकार का फरमानेन्ट रिटायरमेंट होने वाला है तब ये शिक्षामित्रों के प्रति सहानुभूति दिखा रहे है।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

यूक्रेन ने युद्ध के बीच बचाए गए चमगादड़ों को छोड़ा

कड़ाके की ठंड के बाद यूक्रेन के लोग युद्ध प्रभावित इलाकों से बचाए गए चमगादड़ों को अब छोड़ रहे हैं। राजधानी कीव के बाहरी इलाके में स्थित एक नेचर पार्क में रात ढलते ही बच्चे स्वयंसेवकों के आसपास इकट्ठा हो जाते हैं, जो कपड़े के थैलों को सावधानीपूर्वक खोलकर चमगादड़ों को अंधेरे आसमान में उड़ने के लिए छोड़ते हैं। प्रत्येक चमगादड़ के हवा में उड़ान भरने पर वहां मौजूद 1,000 से अधिक लोग तालियां बजाकर उसका स्वागत करते हैं। देश के पूर्वी हिस्सों के युद्धग्रस्त क्षेत्रों से बचाए गए सैकड़ों चमगादड़ों को शनिवार देर रात यूक्रेन के विभिन्न हिस्सों में आयोजित कार्यक्रमों के तहत छोड़ा गया, जो वसंत ऋतु के आगमन के साथ आयोजित किए गए थे।

'यूक्रेनियन बैट रिहैबिलिटेशन सेंटर' की स्वयंसेवक अनास्तासिया वोक्क ने कहा कि यह कार्यक्रम संगठन के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ये जीव संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची में शामिल हैं और उनका संरक्षण बेहद जरूरी है। यूक्रेन में चमगादड़ों की सभी 28 प्रजातियों को इनकी घटती संख्या के कारण संरक्षित जीवों की सूची में रखा गया है। कई लोगों के लिए यह कार्यक्रम कड़ी सर्दियों के बाद राहत का अवसर था। सर्दियों में शून्य से नीचे तापमान, रूस के ड्रोन और मिसाइल हमले तथा बिजली कटौती जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा था।

ऑफ बीट

हमारी दृष्टि एक-आंख वाले पूर्वज कीड़े से हुई विकसित

काफी समय से माना जाता रहा है कि इंसानों और अन्य कशेरुकी जीवों की आंखें, अकशेरुकी जीवों की आंखों से बुनियादी रूप से अलग होती हैं, क्योंकि

उनकी कोशिकाओं की संरचना और जन्म से पहले उनके विकसित होने का तरीका अलग होता है। हमारे अध्ययन से संकेत मिलता है कि हमारी आंखों की जड़ें एक ऐसे कीड़े जैसे पूर्वज से जुड़ी हैं, जो करीब 60 करोड़ साल पहले समुद्रों में विचरण करता था। हमने पाया कि ज्यादातर जीवों में आंखें और रोशनी महसूस करने वाली कोशिकाएं दो जगहों पर होती हैं- एक चेहरे के दोनों तरफ (जोड़ी में) और दूसरी सिर के बीच में, मस्तिष्क के ऊपर। हमने जिन जीवों का अध्ययन किया, उनमें चेहरे के दोनों तरफ मौजूद ये कोशिकाएं शरीर की गतिविधियों को दिशा देने में मदद करती हैं, जबकि बीच में मौजूद कोशिकाएं दिन और रात के फर्क के साथ-साथ ऊपर-नीचे की पहचान करने में सहायक होती हैं। हमारे निष्कर्ष के मुताबिक, सभी कशेरुकी जीवों के कीड़े जैसे पूर्वज ने करीब 60 करोड़ साल पहले जब समुद्र की तलहटी में बिल बनाकर स्थिर जीवन जीना शुरू किया, तो उसने दिशा नियंत्रित करने वाली अपनी जोड़ी आंखें खो दीं। दरअसल, जब यह जीव एक जगह रहकर पानी से बीन-बीनकर भोजन हासिल करने लगा, तो उसे चलने-फिरने की जरूरत नहीं रही।

रॉयल पत्रिका

आईजीपी ओमप्रकाश का चूरू दौरा: अपराध गोष्ठी में पेंडिंग केसों के निपटारे और अपराधियों पर सख्ती के दिए निर्देश

चूरू (मोहम्मद अली पठान/ रॉयल पत्रिका)। बीकानेर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (IGP) ओमप्रकाश (IPS) ने गुरुवार को चूरू जिले का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस लाइन में परेड की सलामी ली और जिले के पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध गोष्ठी कर कानून व्यवस्था की समीक्षा की।

जवानों के साथ संवाद और कार्यालय निरीक्षण जिला पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद (IPS) ने बताया कि आईजीपी ने रिजर्व पुलिस लाइन में परेड निरीक्षण के बाद सभी अनुभागों का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने जिले के पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों, मंत्रालयिक वर्ग और आरएसी जवानों के साथ 'संपर्क सभा' की। सभा में जवानों की समस्याओं को सुनकर आईजीपी ने उनके त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। इसके पश्चात उन्होंने एसपी ऑफिस की विभिन्न शाखाओं का भ्रमण कर प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अपराधों की रोकथाम और पेंडिंग मामलों पर फोकस पुलिस लाइन सभागार में आयोजित अपराध गोष्ठी में जिले के सभी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय, राजगढ़, सुजानगढ़, त्वरित अनुसंधान सेल, SIUCW) और समस्त वृत्ताधिकारी व थानाधिकारी मौजूद रहे। आईजीपी ने सर्किल और थाना स्तर पर अपराधों की रोकथाम के प्रयासों की जानकारी ली। उन्होंने विशेष रूप से 2 माह से अधिक पुराने एससी-एसटी, बलात्कार और पोक्सो एक्ट के प्रकरणों तथा एक वर्ष से अधिक समय से लंबित मामलों के जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। तकनीकी अपडेट और हार्डकोर अपराधियों पर शिकंजा आईजीपी ने माईनर एक्ट, धारा 193 (9) BNSS के लंबित प्रकरणों, पेंडिंग मर्ग और चालान/ एफआर के निपटारे पर जोर दिया। उन्होंने वांछित अपराधियों, हिस्ट्रीशीटरों, टॉप-10 बदमाशों और ईनामी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु 'केस ऑफिसर स्कीम' और 'राजपासा' जैसी प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक कार्रवाई का विवरण CCCTNS मॉड्यूल पर निरंतर अपडेट करने को कहा।

कोतवाली और वृत्त कार्यालय का निरीक्षण दोपहर बाद आईजीपी ने वृत्त कार्यालय चूरू का वार्षिक निरीक्षण कर आपराधिक रिकॉर्ड का अवलोकन किया। उन्होंने वहां सीएजी (CLG) मीटिंग लेकर जनसामान्य की समस्याओं को सुना। दौरे के अंत में पुलिस थाना कोतवाली चूरू का वार्षिक निरीक्षण किया गया और पुलिसिंग को और अधिक पारदर्शी व जनहितैषी बनाने के निर्देश दिए गए।

इकरा फाउंडेशन की कार्यकारिणी बैठक संपन्न, नए सत्र के प्रवेश पर हुई चर्चा

चूरू/सीकर (मोहम्मद अली पठान/रॉयल पत्रिका)। इकरा फाउंडेशन कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक इकरा हॉस्टल सीकर में आयोजित की गई। सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक चली इस बैठक में आगामी नए शैक्षणिक सत्र के प्रवेश कार्यों और हॉस्टल की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के संबंध में विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर नाजिम खान रहे मौजूद बैठक में इकरा फाउंडेशन के फाउंडर एवं कार्यकारिणी सदस्य नाजिम खान (अतिरिक्त कमिश्नर पुलिस) विशेष रूप से कोटपूतली से पधारे। उनके साथ जयपुर से जकात फंड के सदर महमूद खान ने भी शिरकत की। बैठक की शुरुआत में फाउंडेशन के बुजुर्गों और सदस्यों ने नाजिम खान और महमूद खान का शॉल ओढ़ाकर आत्मीय सम्मान और अभिनंदन किया। हॉस्टल प्रबंधन को लेकर हुए अहम निर्णय बैठक के दौरान हॉस्टल के विकास और छात्र सुविधाओं को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। इस अवसर पर मार्गदर्शक शौकत खान (रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर, सेल्स टैक्स), वाइस चेयरमैन गुलाम खान बेसवा, सेक्रेटरी मजीद खान (रिटायर्ड प्रिंसिपल), कैशियर शौकत खान (रिटायर्ड ऑफिस सुपरिटेंडेंट), को-ऑर्डिनेटर जाबीर खान, अकबर ट्रैवल्स के डायरेक्टर इमरान खान, सतार खान पठान और सज्जाद खान मलवाण सहित कार्यकारिणी के अन्य सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में हाजी शमशाद खान ने सभी आगंतुकों और सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

जिला एवं सेशन न्यायाधीश ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति किया जागरूक

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका ब्यूरो)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार साइबर सुरक्षा: 'जागरूकता, संरक्षण और न्याय तक समावेशी पहुंच' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के तहत जिले में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इसी क्रम में 'ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूजडे' के तहत जिला एवं सेशन न्यायाधीश श्री देवेन्द्र दीक्षित ने राधाकृष्णन पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों और विद्यालय स्टाफ को साइबर अपराधों की रोकथाम के प्रति जागरूक किया। डिजिटल अरेस्ट और बैंकिंग फ्रॉड से बचने की दी सलाह जिला एवं सेशन न्यायाधीश श्री देवेन्द्र दीक्षित ने वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराध के प्रकारों जैसे मोबाइल गेमिंग संबंधी अपराध, डिजिटल अरेस्ट, हैकिंग, बैंकिंग फ्रॉड और साइबर बुलिंग के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि जागरूकता की कमी, कमजोर पासवर्ड और असुरक्षित एप्स का उपयोग ही अपराधों का मुख्य कारण है। उन्होंने बच्चों को मजबूत पासवर्ड रखने, अज्ञात लिंक व कॉल से सावधान रहने और लालच भरे विज्ञापनों से बचने की सलाह दी। हेल्पलाइन 1930 और 'रालसा' योजना की जानकारी इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव समीक्षा गौतम ने एंटीवायरस के उपयोग, टू-स्टेप वैरिफिकेशन और साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 के महत्व को समझाया। उन्होंने केंद्र सरकार के 'संचार साथी' एवं 'चक्षु' एप के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 'रालसा' (साइबर अपराध पीड़ित विधिक सेवा) योजना 2026 के तहत पीड़ितों को निःशुल्क विधिक सहायता और सलाह प्रदान की जाती है। कार्यक्रम में असिस्टेंट एलएडीसी अक्षय राजावत ने भी बचाव के उपायों पर जानकारी साझा की। जिलेभर के 18 न्यायिक अधिकारियों ने संभाली कमान अभियान की व्यापकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जिले के कुल 18 न्यायिक अधिकारियों ने अलग-अलग विद्यालयों में पहुंचकर बच्चों को साइबर सुरक्षा के गुर सिखाए। इस पहल का उद्देश्य नई पीढ़ी को डिजिटल दुनिया के खतरों से सुरक्षित रखना और उन्हें विधिक अधिकारों के प्रति सजग बनाना है।

जैसलमेर प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग, पत्रकारों ने पीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका): इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के बैनर तले जिला मुख्यालय पर पत्रकारों ने जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम जिला कलेक्टर कानाराम को ज्ञापन सौंपकर जैसलमेर प्रकरण की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि IFWJ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र सिंह राठौड़ पिछले 22 वर्षों से जैसलमेर में पत्रकारिता और व्यवसाय से जुड़े रहे हैं। उनका 'स्वाद रेस्टोरेंट' वर्ष 2004 से आवंटित भूखंड पर संचालित हो रहा था, जिसे प्रशासन द्वारा पहले खाली कराने का दबाव बनाया गया और बाद में कथित रूप से न्यायालय के आदेश की अनदेखी करते हुए सीज कर दिया गया। आरोप है कि 17 मार्च 2026 को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी मशीनों से रेस्टोरेंट को ध्वस्त कर दिया गया, जिससे करीब सवा करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। पत्रकारों ने इस कार्रवाई को दुर्भावनापूर्ण बताते हुए कहा कि इससे प्रदेशभर में आक्रोश है। उन्होंने बताया कि 29 मार्च को जयपुर में मुख्यमंत्री से मिलने का प्रयास भी किया गया, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिला, जिसके बाद शहीद स्मारक के सामने धरना जारी है। संगठन ने मामले की उच्च स्तरीय जांच, दोषियों पर कार्रवाई और पीड़ित पत्रकार को मुआवजा दिलाने की मांग की है। साथ ही प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा के दौरान प्रतिनिधिमंडल को मुलाकात का समय देने का अनुरोध भी किया गया, ताकि वे पूरे मामले के साक्ष्य प्रस्तुत कर सकें।

जगह-जगह हुआ डॉ. अंबेडकर जयंती समारोह का पोस्टर विमोचन, तैयारियां तेज

चौमूं/जयपुर (रॉयल पत्रिका): डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती सम्मान समारोह को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में शहर के मुरलीपुरा स्कीम में गुरुवार को बलाई विकास समिति जयपुर मुख्यालय-चौमूं की ओर से आयोजित होने वाले समारोह के पोस्टर का विमोचन विभिन्न पदाधिकारियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के तहत समिति के संरक्षक रामकिशोर राय एवं सेवानिवृत्त एडीएम कालूराम बुनकर ने पोस्टर का विमोचन किया। वहीं सहसंयोजक राज परिहार और मुकेश कुमार कालोया द्वारा भी अलग-अलग स्थानों पर पोस्टर जारी कर लोगों को समारोह की जानकारी दी गई। समिति अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार, महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया और कोषाध्यक्ष नानगराम लूणीवाल ने बताया कि 12 अप्रैल को मोरीजा रोड स्थित सभा-भवन में जयंती समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा, जिसमें सामाजिक एकता और जागरूकता से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। इस दौरान उपाध्यक्ष शंकरलाल सरावता, संगठन सचिव गोपीराम महरडा, डॉ. चिरंजीलाल परिहार, राज परिहार, बंशीधर रांगेरा, भागीरथ खंडेलवाल और सुशील परिहार सहित कई लोग मौजूद रहे। आयोजन को लेकर समाज में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

जयपुर रोड पुलिया की टूटी रेलिंग बनी जानलेवा, हादसों को न्योता दे रही बाहर निकली लोहे की चादरें

चूरू (मोहम्मद अली पठान/ रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जयपुर रोड स्थित पुलिया इन दिनों आमजन और वाहन चालकों के लिए बड़े खतरे का सबब बनी हुई है। पुलिया की टूटी हुई रेलिंग और उससे बाहर निकली नुकीली लोहे की चादरें किसी भी वक्त बड़े हादसे का कारण बन सकती हैं। स्थिति यह है कि आए दिन वाहनों के टायर इन लोहे की चादरों की चपेट में आकर फट रहे हैं, जिससे दुपहिया वाहन चालक असंतुलित होकर गिर रहे हैं। जर्जर पुलिया पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं जानकारी के अनुसार, पुलिया के दोनों ओर लगी लोहे की रेलिंग बाहरी और भारी वाहनों की टक्कर से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। गौरतलब है कि यह पुलिया काफी समय से जर्जर घोषित है, जिसके चलते प्रशासन ने इस पर भारी वाहनों का आवागमन भी बंद कर रखा है। इसके बावजूद, टूटी हुई रेलिंग की मरम्मत न होना और नुकीली चादरों का बाहर की तरफ निकला होना प्रशासन की लापरवाही को दर्शाता है। बड़ा हादसा होने का डर रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले स्थानीय निवासियों और राहगीरों ने बताया कि रात के समय अंधेरे में ये लोहे की नुकीली रेलिंग दिखाई नहीं देती, जिससे दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है। पुलिया के दोनों रास्तों की तरफ रेलिंग का अभाव होने से कोई भी वाहन सीधे नीचे गिर सकता है। प्रशासन से त्वरित समाधान की मांग आमजन ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से पुरजोर निवेदन किया है कि जल्द से जल्द इस समस्या का संज्ञान लेकर रेलिंग की मरम्मत करवाई जाए। समय रहते लोहे की इन नुकीली चादरों को नहीं हटाया गया, तो कभी भी कोई बड़ा और दर्दनाक हादसा हो सकता है।

नवनियुक्त उपाध्यक्ष केआर बुनकर का सम्मान, बलाई विकास समिति ने दी शुभकामनाएं

चौमूं/जयपुर (रॉयल पत्रिका): बलाई विकास समिति जयपुर मुख्यालय-चौमूं की ओर से संरक्षक सेवानिवृत्त एडीएम केआर बुनकर के डॉ. भीमराव अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी राजस्थान की केंद्रीय कार्य समिति में उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त होने पर उनके मुरलीपुरा स्थित निवास पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर समिति के संरक्षक रामकिशोर राय, अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार, महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया, कोषाध्यक्ष नानगराम लूणीवाल, उपाध्यक्ष शंकरलाल सरावता, गोपीराम महरडा, डॉ. चिरंजीलाल परिहार, राज परिहार, बंशीधर रांगेरा, भागीरथ खंडेलवाल और सुशील परिहार सहित अन्य सदस्यों ने केआर बुनकर का माला व साफा पहनाकर तथा डॉ. अंबेडकर का छायाचित्र भेंट कर सम्मान किया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने बुनकर की नियुक्ति को समाज के लिए गौरव की बात बताते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत 13वां नि:शुल्क शिविर आयोजित

भीलवाड़ा (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के अंतर्गत सोशल वेलफेयर सोसायटी, भीलवाड़ा के सौजन्य से 13वें निःशुल्क जांच एवं परामर्श शिविर का सफल आयोजन किया गया। गुरुवार को शहर के 'दाई हलीमा मैटरनिटी एंड जनरल हॉस्पिटल' में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाओं ने भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। डॉ. फरजाना सिद्दीकी ने दी सेवाएं शिविर में वरिष्ठ महिला चिकित्सक डॉ. फरजाना सिद्दीकी (पूर्व चिकित्सक, महात्मा गांधी अस्पताल, भीलवाड़ा) द्वारा गर्भवती महिलाओं की विस्तृत स्वास्थ्य जांच की गई। महिलाओं को विशेषज्ञों द्वारा निःशुल्क परामर्श दिया गया और स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दवाइयों का भी वितरण किया गया। पोषण किट का वितरण और जागरूकता इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं को पोषण के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। संस्था की ओर से महिलाओं को विशेष 'पोषण किट' भी वितरित किए गए, ताकि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाया जा सके। सोसायटी के अध्यक्ष मोहम्मद हनीफ रंगरेज ने बताया कि संस्था का उद्देश्य क्षेत्र की महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व सेवाएं उपलब्ध कराना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। अगला शिविर 18 अप्रैल को संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के शिविर निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे अपने आसपास की गर्भवती महिलाओं को ऐसे शिविरों में भाग लेने हेतु प्रेरित करें। अगला निःशुल्क शिविर 18 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। शिविर के दौरान कोषाध्यक्ष मुख्तार मीर खान, सचिव मोहम्मद ऐजाज शेख, संरक्षक रमजान खान कायमखानी, सलाहकार डॉ. फरियाद मोहम्मद व मोहम्मद असलम, उपाध्यक्ष आरिफ अहमद शेख, संयुक्त सचिव समीना शेख व शौकत अली खान, कार्यालय सचिव मोहम्मद हनीफ अंसारी सहित कार्यकारिणी के सदस्य मोहम्मद सलीम रंगरेज, मोहम्मद मुकीम खान, मोहम्मद रफीक अंसारी, शब्बीर अहमद शेख, मोहम्मद उमर लोहार, शाहीदा खान, मकसूद अली काजी, इमरान कायमखानी, मोहम्मद इकबाल छीपा, खान मोहम्मद, मोहम्मद अरशद डबगर और मोहम्मद अकरम लोहार उपस्थित रहे।

महात्मा ज्योतिबा फुले प्रतिमा स्थल पर पुष्पांजलि कार्यक्रम आज

चूरू (मोहम्मद अली पठान/ रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष गतिविधियों के अंतर्गत शनिवार, 11 अप्रैल को भव्य पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सवेरे 09 बजे चूरू नगर परिषद मुख्यालय पर सदर पुलिस थाना के सामने स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले प्रतिमा स्थल पर होगा। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (एडीएम) अर्पिता सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले को नमन करने और उनके आदर्शों को याद करने के लिए इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के समुचित और सफल आयोजन को लेकर संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। एडीएम ने शहर के प्रबुद्ध नागरिकों और आमजन से इस गरिमामयी पुष्पांजलि कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान, गांव में रैली निकालकर दिया शिक्षा का संदेश

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका): राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पांचोलास में कक्षा 10वीं और 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें मेधावी विद्यार्थियों का माला व साफा पहनाकर स्टेशनरी किट और बैग भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच पायलट गुर्जर ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में भामाशाह राकेश गुर्जर, आरीफ भाई और मोहनलाल साहू मौजूद रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य ओमप्रकाश बैरवा ने अतिथियों का पारंपरिक स्वागत किया और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। अपने संबोधन में प्रधानाचार्य ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जिससे व्यक्ति जीवन में ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है। वहीं सरपंच पायलट गुर्जर ने विद्यार्थियों से शिक्षकों का सम्मान करने और शिक्षा के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम के बाद विद्यालय परिवार, छात्र-छात्राओं और ग्रामीणों ने पूरे गांव में रैली निकालकर शिक्षा का संदेश दिया और अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन कराने की अपील की। इस अवसर पर दामोदर लाल बैरवा, रामदास मीना, कीर्ति गर्ग, जोगेन्द्र सिंह, विनोद कुमार मीना, महेंद्र प्रसाद दाधीच, विमल वर्मा, मीना कुमारी, रमेश चंद्र महावर, देवेंद्र शर्मा, मदन लाल मीना, रामसहाय मीना सहित बड़ी संख्या में अभिभावक और ग्रामीण मौजूद रहे।

विधायक ने हर माह 10 हजार की सहायता और भवन निर्माण का लिया संकल्प

महुवा (शफीक अली/रॉयल पत्रिका)। पीड़ित सेवा को ही ईश्वर सेवा मानने वाली संस्था 'अपना घर सेवा समिति महुवा' का सातवां वार्षिकोत्सव एवं दायित्व ग्रहण समारोह मंडावर रोड स्थित अवध मैरिज रिसॉर्ट में हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। मां माधुरी व्रज सेवा सदन बझेरा (भरतपुर) द्वारा संचालित इस संस्था के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र मीणा और अपना घर संस्थान के संस्थापक डॉ. बी.एम. भारद्वाज रहे। विधायक ने ली सदस्यता, महुवा में बनेगा 'अपना घर' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि अपना घर संस्था लावारिस और बीमार मानवों के साथ जीव-जंतुओं की सेवा का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि महुवा नगरपालिका क्षेत्र में 'अपना घर' भवन का निर्माण करवाया जाएगा। साथ ही, विधायक ने स्वयं संस्था की सदस्यता ग्रहण की और व्यक्तिगत रूप से हर महीने 10,000 रुपये का सहयोग देने का संकल्प लिया। ईश्वर स्वयं करता है संसाधनों की पूर्ति: डॉ. भारद्वाज अपना घर के संस्थापक डॉ. बी.एम. भारद्वाज ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि अपना घर एक संस्था नहीं, बल्कि एक पवित्र विचार है। उन्होंने कहा कि जब सेवा सच्चे और निस्वार्थ मन से की जाती है, तो संसाधन, समय और आवश्यकता की पूर्ति ईश्वर स्वयं करता है।

राष्ट्रीय समिति संयोजक कुसुम लता अग्रवाल ने इसे दुनिया की सबसे बड़ी मानवीय परियोजना बताया। राष्ट्रीय सचिव विनोद कुमार सिंघल ने संस्था की अनोखी परंपरा का जिक्र करते हुए कहा कि यहाँ जरूरतों के लिए ठाकुरजी के नाम चिट्ठी लिखी जाती है और वे किसी न किसी रूप में आकर सहायता करते हैं। नई कार्यकारिणी ने ली शपथ समारोह के दौरान डॉ. भारद्वाज ने विधायक राजेंद्र मीणा को सदस्य के रूप में और महुवा की नवीन कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को उनके दायित्वों की शपथ ग्रहण करवाई। कार्यक्रम का मंच संचालन संरक्षक अशोक जैन और मीडिया प्रभारी गोपुत्र अवधेश अवस्थी ने किया। ये रहे मौजूद

इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष हरि सिंह मीणा, मनीराम धाकड़, अशोक भारती, अनीता राजोरिया, सीमा भारती, संरक्षक गणेश गोयल, वेद प्रकाश गोयल, प्रेमचंद गोयल, अध्यक्ष नेमीचंद गुप्ता, सचिव बृजबल्लभ अग्रवाल, कोषाध्यक्ष बलवीर सैनी, सहसचिव महेश चंद्र बंसल, उपाध्यक्ष ताराचंद गोयल, अखिलेश चौधरी, पदम बंसल, योगेंद्र गोयल, राजकुमार गोयल, स्वास्थ्य सेवा प्रमुख श्याम बंसल, सेवा प्रमुख महेश माठा, पर्यावरण मंत्री देवेंद्र सैनी, प्रचार प्रसार प्रमुख दामोदर साहू, यात्रा प्रमुख नीरज बंसल, शिक्षा प्रमुख प्रदीप चौधरी, महिला प्रमुख अनीता अवस्थी, महिला समिति अध्यक्ष अंजू गोयल, सचिव रेनू गोयल, कोषाध्यक्ष अनुराधा गुप्ता, डॉ. जगमोहन गोयल और किशोर टेकड़ा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और महिला समिति की सदस्याएं उपस्थित रहीं।

अष्टम पोषण पखवाड़े का शुभारंभ, रैली निकालकर दिया जागरूकता संदेश

चूरू (रॉयल पत्रिका): महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से अष्टम पोषण पखवाड़े का शुक्रवार को शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर वार्ड संख्या 6 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र से जनसहभागिता के साथ जागरूकता रैली निकाली गई, जिसे सीडीपीओ सीमा गहलोत और चन्द्रकला शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा रंगोली और स्लोगन के माध्यम से पोषण के प्रति जागरूकता फैलाई गई तथा जंक फूड से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। आईसीडीएस डीडी डॉ. नरेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि यह पखवाड़ा 23 अप्रैल तक मनाया जाएगा, जिसमें विभिन्न विभागों के समन्वय से कई गतिविधियां आयोजित होंगी। इस दौरान महिला पर्यवेक्षक जयकौर चौधरी, शीतल बत्रा, ज्योति वर्मा, सुनिता कस्वां, संजू कंवर, सुदेश कंवर, शशिकला शर्मा, सुमन मीणा, रेखा कंवर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और आमजन मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय क्रिकेट टीम चयन ट्रायल 12 अप्रैल को, खिलाड़ियों को किया आमंत्रित

चूरू (रॉयल पत्रिका): जिला क्रिकेट संघ चूरू के तत्वावधान में राज्य स्तरीय सीनियर एवं अंडर-23 क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए जिले की टीम चयन हेतु 12 अप्रैल, रविवार को ट्रायल आयोजित किया जाएगा। यह ट्रायल चूरू स्थित व्यायामशाला क्रिकेट एकेडमी में सुबह 8 बजे से शुरू होगा। संघ के संयुक्त सचिव जगदीश शर्मा ने बताया कि इच्छुक खिलाड़ी सफेद ड्रेस में अपनी किट के साथ एकेडमी कोच भंवर वीरेंद्र सिंह को रिपोर्ट करें। वहीं संघ के दीपक स्वामी ने जानकारी दी कि खिलाड़ियों को कंप्यूटराइज्ड जन्म प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, पिछले तीन वर्षों की अंकतालिका तथा स्वयं व माता-पिता के आधार कार्ड साथ लाने होंगे। संयुक्त सचिव मुरारी लाल शर्मा ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों को चैलेंजर प्रतियोगिता में भाग लेने के बाद प्रदर्शन के आधार पर अंतिम चयन किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी मई में प्रस्तावित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

NSUI स्थापना दिवस पर पौधारोपण, 'ग्रीन कैंपस' का लिया संकल्प

बारां (रॉयल पत्रिका): NSUI के 56वें स्थापना दिवस पर राजकीय महाविद्यालय बारां में जिलाध्यक्ष कशिश धाकड़ के नेतृत्व में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने 'ग्रीन कैंपस, क्लीन कैंपस' अभियान के तहत प्रत्येक छात्र द्वारा एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में छात्रों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए पूरे जिले के शैक्षणिक परिसरों को हरा-भरा बनाने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि वृक्षारोपण से न केवल पर्यावरण संतुलन बना रहता है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए भी आवश्यक है। इस अवसर पर जिला प्रवक्ता निकिता गोड़, जिला उपाध्यक्ष अंकित मीणा, ऋतिक चौधरी, अक्षय बामला, जिला महासचिव अरविंद शर्मा, नितेश मेहता, हर्षित नागर, गोविंद बैरागी, आदित्य गौड़, कुलदीप मेघवाल, जिला सचिव वीरेंद्र गोठवाल, यशवंत कटारिया, ऐजाज़ मोहम्मद,

गोविंद मीणा, कोशल सुमन सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा बारां ब्लॉक अध्यक्ष नितेश मीणा, मांगरोल नगर अध्यक्ष शादाब रहमानी, अंता ब्लॉक अध्यक्ष अजय नागर, अटरू ब्लॉक अध्यक्ष टीकम गौतम, मांगरोल ब्लॉक अध्यक्ष कुलदीप वैष्णव, शाहबाद ब्लॉक अध्यक्ष कुलदीप मेहता, अटरू नगर अध्यक्ष नवदीप जैन, कस्बाथाना नगर अध्यक्ष अक्षय जैन तथा छात्र नेता हरीश मीणा, मनीष मीणा, आदित्य शर्मा, सुरेंद्र मेघवाल, हर्ष गौड़, ऋतिक खटिक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रदेश महासचिव इस्माइल खान कायमखानी का अलवर में स्वागत, बैठक में संगठन को मजबूत करने पर जोर

चूरू/अलवर (रॉयल पत्रिका): राजस्थान सेवानिवृत पुलिस कल्याण संस्था, जिला अलवर द्वारा प्रदेश महासचिव एवं पूर्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इस्माइल खान कायमखानी के अलवर आगमन पर सर्किट हाउस में माला, साफा और संस्था का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर आयोजित बैठक में जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार शर्मा ने संगठन की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए सेवानिवृत पुलिस कर्मियों के हित में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। बैठक की अध्यक्षता जगदीश प्रसाद शर्मा (सरपंच मालपुर) ने की। संगठन ने डीजीपी द्वारा सेवानिवृत कर्मियों की नियमित बैठक कराने के निर्देश पर आभार जताया, वहीं पुलिस अधीक्षक अलवर द्वारा बैठक के लिए अन्वेषण भवन उपलब्ध कराने पर भी धन्यवाद व्यक्त किया गया। बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, बैंक खाता खुलवाने, सेवानिवृत कर्मियों को सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने

तथा स्कूलों में बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी देने जैसे विषयों पर चर्चा हुई। साथ ही आरजीएचएस से जुड़ी समस्याओं और आठवें वेतन आयोग को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान रामप्रताप, हरि सिंह, महेश, लक्ष्मी चौहान, देवकीनंदन सहित कई पदाधिकारियों ने अपने विचार रखे। साथ ही दौलतराम (पूर्व पुलिस अधिकारी) और राधेश्याम शर्मा (पूर्व सब इंस्पेक्टर) का स्वागत कर संस्था से जोड़ा गया। कार्यक्रम में रामप्रताप, जगदीश प्रसाद शर्मा, दौलत राम शर्मा, हरि सिंह चौधरी, राजेंद्र प्रसाद शर्मा, राधेश्याम शर्मा, रूप सिंह चेची, जय सिंह, सुमित्रा, लक्ष्मी चौहान, सुरेंद्र कौर, ब्रजकिशोर, पून्याराम, सुरेंद्र भारद्वाज, जयनारायण, देवकीनंदन, महेशचंद, हीरालाल गुर्जर, नरेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

संत धन्ना महाराज की 612वीं जयंती पर गूंजा शिक्षा और सेवा का संकल्प

चूरू (मोहम्मद अली पठान/रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के गायत्री नगर स्थित फुले भवन में स्वामी समाज के आराध्य संत धन्ना महाराज की 612वीं जयंती शुक्रवार को हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ संत धन्ना महाराज के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। बैठक के दौरान वक्ताओं ने संत के जीवन दर्शन और आधुनिक युग में शिक्षा की महत्ता पर प्रकाश डाला।

समाज सेवा एक तपस्या: घडसीराम स्वामी

स्वामी समाज के जिला अध्यक्ष घडसीराम स्वामी ने कहा कि समाज सेवा एक तपस्या है, जिससे जीवन में निखार आता है। उन्होंने परहित के लिए समर्पित भाव से सेवा करने को ही जीवन की सार्थकता बताया। कार्यक्रम में नेशनल ओबीसी वेलफेयर सोसायटी इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने फिजूलखर्ची पर नियंत्रण कर शिक्षा को प्रोत्साहन देने का आह्वान किया। बच्चों के लिए प्रेरणास्रोत हैं महापुरुषों की जीवनी

ओबीसी वेलफेयर सोसायटी के जिला अध्यक्ष एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति ने संत धन्ना महाराज को किसान परिवार का सिद्ध पुरुष बताते हुए उनके आदर्शों को अपनाने की बात कही। सैनी समाज के जिला अध्यक्ष विनोद पापटान ने सुझाव दिया कि बच्चों को महापुरुषों की जीवनी पढ़ने के लिए पुस्तकालयों से साहित्य उपलब्ध कराया जाना चाहिए। डॉ. अशोक जांगीड़ ने भी महापुरुषों के जीवन दर्शन को संस्कारित शिक्षा का आधार बताया।

शैक्षणिक मजबूती और सामाजिक न्याय का संकल्प

सेवानिवृत्त तहसीलदार राधेश्याम स्वामी ने बारहवीं के बाद बच्चों का करियर मजबूत बनाने के लिए मार्गदर्शन की आवश्यकता जताई। सेवानिवृत्त सहायक थानेदार भंवर सिंह परिहार, सांख्यिकी अधिकारी हरीकिशन जांगीड़ और मास्टर महावीर स्वामी ने छात्रावास, लाइब्रेरी और निशुल्क कोचिंग जैसी सुविधाएं विकसित करने पर जोर दिया। कर्मचारी नेता ओंकारमल बालाण, सांवरमल बालाण, मास्टर बैजुराम जांगीड़ और राजेंद्र बेनी खंडवा ने सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन, महिलाओं की सहभागिता और शुद्ध खान-पान के माध्यम से स्वस्थ समाज निर्माण की अपील की।

घर-घर मनेगा दीपोत्सव

बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि संत धन्ना महाराज की जयंती और महात्मा ज्योतिबा फुले की पूर्व संध्या के अवसर पर घर-घर दीपोत्सव मनाया जाएगा। कार्यक्रम में सुशील स्वामी, डूंगर सिंह सोनगरा, भगवाना राम पापटान, सत्यनारायण बालाण, अनिल सैनी और सुभाष सैनी सहित कई गणमान्य जन मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव चन्द्र मोहन सैनी ने किया।

विधिक साक्षरता शिविर में विद्यार्थियों को बताए बच्चों के अधिकार, साइबर क्राइम से बचने के दिए टिप्स

चूरू (मोहम्मद अली पठान/रॉयल पत्रिका)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं सचिव के निर्देशानुसार शुक्रवार को चूरू मुख्यालय पर स्थित एस.के. मेमोरियल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल (गढ़ के पीछे) में एक विशेष विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। 'परिवर्तनकारी मंगलवार' (ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूजडे) अभियान की कड़ी में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कानून और उनके अधिकारों के प्रति सजग किया गया। साइबर क्राइम और बच्चों के अधिकारों पर चर्चा शिविर के दौरान विशेषज्ञों ने साइबर क्राइम और बच्चों के अधिकारों पर विस्तार से जानकारी साझा की। विद्यार्थियों को बताया गया कि साइबर अपराध किस प्रकार उनकी शिक्षा, मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक सम्मान को प्रभावित कर सकते हैं। कार्यक्रम में विशेष रूप से 'कोर्ट वाली दीदी', 'जूनियर लीगल लिटरेसी क्लब' और 'शिकायत निवारण प्रोटोकॉल' जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में भी जागरूक किया गया। बाल विवाह रोकथाम की अपील शिविर में उपस्थित छात्र-छात्राओं और स्टाफ को बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई को रोकने, इसके दुष्परिणामों और संबंधित कानूनी कार्रवाई की जानकारी दी गई। उन्हें समझाया गया कि बाल विवाह की रोकथाम में सामाजिक सहयोग अनिवार्य है। यदि कहीं ऐसा मामला सामने आता है, तो उसकी सूचना तुरंत प्रशासन को दें। कार्यक्रम में करीब 68 छात्र-छात्राएं और स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। अभियान को सफल बनाने का संकल्प सभी उपस्थित जनों से अपील की गई कि वे इन कानूनी जानकारियों को अपने परिजनों, रिश्तेदारों और मोहल्ले वासियों तक पहुँचाकर अभियान को सफल बनाएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य राजीव कुमार शर्मा ने की और अंत में सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ अध्यापक रवि दाधीच द्वारा किया गया।

घमुड़वाली थाने पर ग्रामीणों का महापड़ाव: सीआई को हटाने की मांग पर अड़े प्रदर्शनकारी

श्रीगंगानगर (विनोद सोखल/रॉयल पत्रिका)। श्रीगंगानगर जिले के घमुड़वाली थाने के बाहर शुक्रवार को ग्रामीणों का भारी आक्रोश फूट पड़ा। बड़ी संख्या में जुटे लोगों ने थानाधिकारी राजेंद्र सिंह के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए थाने के घेराव के साथ धरना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने सीआई पर आमजन को परेशान करने और कर्तव्यों में लापरवाही बरतने के गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें तुरंत प्रभाव से हटाने की मांग की है। नशे और चोरियों से त्रस्त हैं ग्रामीण धरना स्थल पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए रविंद्र तरखान सहित अन्य वक्ताओं ने कहा कि क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और नशे का कारोबार पांव पसार रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि थानाधिकारी इन पर अंकुश लगाने के बजाय आमजन के साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं, जिससे प्रशासन के प्रति जनता में भारी रोष है। धरने के दौरान थाने के बाहर स्थिति तनावपूर्ण बनी रही, जिसे देखते हुए सुरक्षा के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात किया गया। प्रशासन के साथ वार्ता और आंदोलन का ऐलान मामले की गंभीरता को देखते हुए करणपुर सीओ पुष्पेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से वार्ता की। उन्होंने ग्रामीणों की मांगों को उच्चाधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया, लेकिन प्रदर्शनकारी सीआई को हटाने की मांग पर अड़े रहे। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती, धरना जारी रहेगा। 17 को पैदल मार्च और 18 को पुतला दहन आंदोलन की रणनीति साझा करते हुए प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो 17 अप्रैल को बड़ा पैदल मार्च निकाला जाएगा। इसके बाद 18 अप्रैल को श्रीगंगानगर एसपी कार्यालय का घेराव कर डीजीपी का पुतला दहन किया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे।

जवाई क्षेत्र को ईको टूरिज्म हब बनाने की तैयारी

पाली (मोहम्मद यासीन/रॉयल पत्रिका)। जवाई क्षेत्र में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने और इसके लिए मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) तैयार करने के उद्देश्य से जिला कलक्टर की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, होटल एसोसिएशन और प्रतिनिधियों के साथ विस्तार से चर्चा कर सुझाव लिए गए। सुरक्षा और सुविधाओं के लिए बनेंगे कड़े नियम बैठक में जिला कलक्टर और एडीएम बाली शैलेन्द्र सिंह ने ईको टूरिज्म के विभिन्न पहलुओं पर विचार रखे। चर्चा के दौरान जीप सफारी ड्राइवरों के अनिवार्य रजिस्ट्रेशन, स्पीड लिमिट और होटलों की लेपर्ड केव (गुफाओं) से दूरी सुनिश्चित करने के लिए 30 से 50 मीटर की दूरी पर पिलर लगाने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर बात हुई। कलक्टर ने निर्देश दिए कि क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों का डेटाबेस तैयार किया जाए, गाड़ियों पर क्यूआर कोड और जीपीएस होना आवश्यक है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी और सख्त कार्रवाई की जाएगी। इन अधिकारियों ने दिए सुझाव जिला कलक्टर ने बाली एसडीएम दिनेश विश्नोई, सुमेरपुर एसडीएम कालूराम कुम्हार, देसूरी उपखंड अधिकारी, पर्यटन विभाग, पुलिस उपाधीक्षक और संबंधित नगर पालिकाओं के ईओ से सुझाव लिए। बैठक में डीएफओ कस्तूरी, प्रशिक्षु आईएएस बिरजू गोपाल, एडीएम डॉ. बजरंग सिंह, पर्यटन विभाग की सहायक निदेशक सरिता फीडौदा सहित वन विभाग और अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। आगामी दिनों में इन सुझावों के आधार पर एसओपी को अंतिम रूप दिया जाएगा।

अमेरिका का होर्मुज से टोल वसूली का प्लान, उदय कोटक ने दी चेतावनी

नईदिल्ली, एजेंसी। कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक और नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर उदय कोटक ने मंगलवार को चेतावनी दी। उनके मुताबिक, दुनिया शायद बड़े भू-राजनीतिक बदलाव के दौर में एंट्री कर रही है। भारत को सही मायने में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए रिसर्च, इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग में और ज्यादा निवेश करना चाहिए। अमेरिका के होर्मुज स्ट्रेट से टोल वसूली के प्लान का जिक्र करते हुए कोटक ने इसे वैश्विक उपनिवेशवाद की वापसी करार दिया। उदय कोटक फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। दिग्गज बैंकर ने कहा कि मौजूदा वैश्विक स्थिति एक अहम सवाल खड़ा करती है कि क्या दुनिया सामान्य स्थिति में लौटेगी या इसमें और गहरे संरचनात्मक बदलाव होंगे। खासकर बढ़ते संघर्ष और बदलती भू-राजनीतिक शक्ति को देखते हुए। हाल के भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और डोनाल्ड ट्रंप के बयानों का जिक्र करते हुए कोटक ने कहा, 'हम एक ऐसे अहम मोड़ पर खड़े हैं जिसे मैं वैश्विक उपनिवेशवाद की वापसी कहता हूं।' कोटक ने कहा, 'ट्रंप ने दो बातें कहीं जिनसे साफ पता चलता है कि हम एक बिल्कुल अलग दुनिया में हैं। पहली... जो भी युद्ध जीतेगा, उसे ही उसका फायदा मिलेगा। और दूसरी... अगर होर्मुज स्ट्रेट पर हमारा कब्जा हो जाता है तो हम यानी अमेरिका उसका किराया वसूलेंगे।' शुरुआती दौर में ईस्ट इंडिया कंपनी पूरी तरह से एक व्यापारिक कंपनी थी। वह व्यापार करती थी और पैसे कमाती थी। फिर उनके पास बेहतर टेक्नोलॉजी आ गई - बंदूकें और बारूद - जिससे उन्हें बढ़त मिली। कोटक ने कहा कि इस तरह के घटनाक्रम उपनिवेशवादी विस्तार के ऐतिहासिक पैटर्न की याद दिलाते हैं। उन्होंने भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के उदय से इसकी तुलना की। उन्होंने कहा, 'शुरुआती दौर में ईस्ट इंडिया कंपनी पूरी तरह से एक व्यापारिक कंपनी थी। वह व्यापार करती थी और पैसे कमाती थी। फिर उनके पास बेहतर टेक्नोलॉजी आ गई - बंदूकें और बारूद - जिससे उन्हें बढ़त मिली।' कोटक ने आगे कहा, 'जल्द ही उस व्यापारी ने सोचा कि क्यों न मैं इलाके भी हथियाना शुरू कर दूं। इसी तरह आपने देखा कि वह व्यापारिक कंपनी भारत में ब्रिटिश साम्राज्य बन गई।'

ट्रंप के सीजफायर के ऐलान से कच्चे तेल में भारी गिरावट, 100 डॉलर के नीचे आया भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के सीजफायर पर सहमति बनने के बाद ग्लोबल ऑयल मार्केट में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इस समझौते के तहत स्ट्रेट ऑफ होर्मूज को फिर से खोलने की उम्मीद है, जिससे सप्लाई में रुकावटें कम होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। इसी उम्मीद में कच्चे तेल की कीमतें तेजी से फिसलकर 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गई हैं। ब्लूमबर्ग के मुताबिक तेल कीमतों में आई गिरावट बेहद तेज रही। ब्रेंट क्रूड करीब 16 प्रतिशत तक टूटकर 92 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया, जबकि वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट में पिछले छह वर्षों की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई और यह करीब 95 डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। ट्रंप ने कहा कि यह सीजफायर पूरी तरह इस बात पर निर्भर करेगा कि ईरान होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलता है या नहीं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची के अनुसार, पाकिस्तान द्वारा पेश की गई युद्धविराम योजना को स्वीकार कर लिया गया है। अगले दो हफ्तों तक सुरक्षित समुद्री मार्ग सुनिश्चित किया जाएगा। वहीं, व्हाइट हाउस के अधिकारियों के मुताबिक इजरायल ने भी इस प्रस्ताव पर सहमति जताई है, जिससे वैश्विक बाजारों को राहत मिली है। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे अहम तेल मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल और स्हल का करीब 20 प्रतिशत गुजरता है। इसके बंद होने से ऊर्जा बाजार में भारी उथल-पुथल मच गई थी।हालांकि, कीमतों में गिरावट के बावजूद फरवरी के बाद से अब भी करीब 50 प्रतिशत ऊपर बना हुआ है, जो यह दिखाता है कि संकट पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। एक्सपर्ट रॉबर्ट रेनी के अनुसार, 'तेल सप्लाई तुरंत सामान्य नहीं होगी। बंद कुओं को फिर से शुरू करने, जहाजों की तैनाती और स्टॉक भरने में महीनों लग सकते हैं।'

ज्वेलरी और गोल्ड कॉइन ने 46 प्रतिशत मुनाफा बढ़ाया

क्यू-4 में टाइटन का जलवा!

अभी भी कमाई का मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की दिग्गज कंपनी टाइटन कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में शानदार प्रदर्शन करते हुए निवेशकों को चौंका दिया है। कंपनी के कंज्यूमर बिजनेस में साल-दर-साल 46 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिसमें सबसे बड़ा योगदान ज्वेलरी सेगमेंट का रहा। खास बात यह है कि सोने की कीमतों में तेजी के बावजूद कंपनी की ज्वेलरी बिक्री में 46 प्रतिशत की ग्रोथ देखी गई, जो इसकी मजबूत ब्रांड वैल्यू और ग्राहक भरोसे को दिखाता है।

गोल्ड कॉइन की डिमांड में जबरदस्त उछाल

टाइटन के ज्वेलरी कारोबार में खासतौर पर गोल्ड कॉइन की डिमांड में जबरदस्त उछाल देखने को मिला, जहां बिक्री लगभग तीन गुना तक बढ़ गई। इसके अलावा कंपनी ने लाइक-टू-लाइक ग्रोथ में भी करीब 48 प्रतिशत की बढ़त हासिल की, जो दर्शाता है कि मौजूदा स्टोर्स पर भी ग्राहक संख्या और बिक्री दोनों बढ़ी है। महंगे सोने के बावजूद ग्राहकों की दिलचस्पी कम नहीं हुई, जो इस सेगमेंट की मजबूती को दिखाता है। हालांकि, कंपनी के वॉच और वियरेबल्स सेगमेंट में मिला-जुला प्रदर्शन रहा। जहां एनालॉग घड़ियों की बिक्री में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई, वहीं स्मार्टवॉच कैटेगरी में 53 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। इसका कारण बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और बदलते कंज्यूमर ट्रेंड माने जा रहे हैं। वहीं, आईकेयर बिजनेस

ने 16 प्रतिशत की स्थिर ग्रोथ दिखाई, जबकि उभरते बिजनेस जैसे फ्रेगरेंस और महिलाओं के बैग सेगमेंट में क्रमशः 30 प्रतिशत और 47 प्रतिशत की तेज बढ़त देखने को मिली।

टाइटन का कुल रिटेल नेटवर्क

इंटरनेशनल मार्केट में भी टाइटन कंपनी ने शानदार प्रदर्शन किया, जहां 156 प्रतिशत की रिकॉर्ड ग्रोथ दर्ज की गई। इसका मुख्य कारण ज्वेलरी ब्रांड (दुबई का सबसे फेमस ज्वैलरी ब्रांड) का नेटवर्क जोड़ना रहा, जिससे कंपनी के स्टोर्स की संख्या में बड़ा इजाफा हुआ। मार्च 2026 तक टाइटन का कुल रिटेल नेटवर्क 3,603 स्टोर्स तक पहुंच गया है, जो इसकी वैश्विक मौजूदगी को दर्शाता है। हालांकि, कंपनी ने यह भी माना कि वेस्ट एशिया में तनाव के कारण कुछ बाधाएं आईं, खासकर क्षेत्र में काफी समस्या आई। इसके बावजूद कुल मिलाकर टाइटन का प्रदर्शन मजबूत रहा है। यह नतीजे दिखाते हैं कि कंपनी ने न सिर्फ घरेलू बाजार में पकड़ मजबूत की है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तेजी से विस्तार किया है। निवेशकों के लिए यह संकेत है कि टाइटन अभी भी ग्रोथ के मजबूत रास्ते पर है।

दुबई का सबसे फेमस ज्वैलरी ब्रांड दमस

आपको बता दें कि पिछले साल टाइटन ने खाड़ी देश के फेमस ज्वैलरी ब्रांड दमस में 67 फीसदी हिस्सा खरीदने के लिए अहम समझौता किया था। टाटा ग्रुप की कंपनी ने इसको 2438 करोड़ रुपये में खरीदा था। दमस करीब 121 साल पुराना ब्रांड है। दमास ज्वैलरी का 6 खाड़ी सहयोग परिषद देशों में 146 स्टोर्स का नेटवर्क है।

यूपीआई से बैलेंस ट्रांसफर की सुविधा नौकरी जाने पर तुरंत निकाल पाएंगे 75 प्रतिशत पैसा

नईदिल्ली, एजेंसी। एम्पलाई प्रोविडेंट फंड ऑर्गेनाइजेशन बड़े बदलाव की तैयारी में है। ईपीएफओ 3.0 के जरिए नया फ्रेमवर्क तैयार किया जा रहा है। इसे लागू होने के बाद सदस्य के जरिए आसानी से पैसा निकाल पाएंगे। नए फ्रेमवर्क के अनुसार सदस्यों को कोई ऑनलाइन पेपर जमा करने या ऑफिस जाने की भी जरूरत नहीं होगी। नए नियमों के जरिए अपने सदस्यों को और सुविधा देना चाता है। जिसकी वजह उनकी मेहनत की बचत का उपयोग वो जरूरी समय पर कर पाएं। सरकार ने 3.0 के फ्रेमवर्क पर कई नए अपडेट साझा कर दिए हैं। हालांकि, यूपीआई को लेकर अभी तक कोई भी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन एक बार अगर यह नियम लागू हो जाता है तब की स्थिति में सब्सक्राइबर्स आसानी से यूपीआई पैसा निकाल पाएंगे। बता दें, एचडीएफसी बैंक की वेबसाइट के अनुसार नए श्वक्ष्लह नियमों के तहत सब्सक्राइबर्स अपना और नियोक्ता के योगदान का 100 प्रतिशत पैसा निकाल पाएंगे।

पहले सब्सक्राइबर्स को पैसा निकालने के लिए 13 अलग-अलग प्रोविजन बने थे। जिसे सरल करते हुए तीन कर कर दिया गया है। विशेष परिस्थिति, घर के लिए और जरूरी कोई आवश्यकता पड़ने पर पैसा निकाला जा सकता है। बता दें, पढ़ाई, शादी और गंभीर बिमारी के लिए पैसा आसानी से निकाल पाएंगे। पढ़ाने के लिए 10 गुना, शादी के लिए 5 गुना तक पैसा निकाला जा सकता है।

कोई प्रकृति संकट या फिर वित्तीय समस्या को विशेष परिस्थिति के तौर पर माना जाएगा। इस नियम में 12 महीने की सर्विस के बाद आंशिक निकासी हो सकती है। विशेष परिस्थिति के लिए निकाला गए पैसों के लिए कोई अतिरिक्त जवाबदेही नहीं होगी। पहले कर्मचारी के 50 प्रतिशत योगदान और ब्याज 100 प्रतिशत निकाला जा सकता था। लेकिन अब नियोक्ता के योगदान और ब्याज को भी निकाला जा सकता है। यानी पूर्व की तुलना में अब ज्यादा पैसा सब्सक्राइबर्स निकाल पाएंगे। ईपीएफ निकासी की सीमा कारणों पर निर्भर करेगी। सब्सक्राइबर्स अब 75 प्रतिशत तक पैसा किसी भी समय निकाल पाएंगे। यह बदलाव सदस्यों को और राहत देने के लिए किया जा रहा है। नौकरी खोने की स्थिति में अब तुरंत 75 प्रतिशत पैसा सब्सक्राइबर्स निकाल पाएंगे। बाकि बचे 25 प्रतिशत पैसे को 12 महीने तक बेरोजगार रहने की स्थिति में निकाला जा सकेगा। पहले सिर्फ आंशिक निकासी ही संभव थी।

रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची तेल की कीमतें

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर में तेल की कीमतों ने एक नया रिकॉर्ड बना लिया है, जिसने वैश्विक अर्थव्यवस्था और आम लोगों की जेब दोनों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। हाल ही में कच्चे तेल का प्रमुख बेंचमार्क डेटेड ब्रेंट 144.42 डॉलर प्रति बैरल के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया। यह तेजी किसी सामान्य बाजार उतार-चढ़ाव का परिणाम नहीं, बल्कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर है, खासतौर पर ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण दुनियाभर में तेल की कीमतों ने एक नया रिकॉर्ड बना लिया है। दरअसल, दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल की सप्लाई स्टेट ऑफ होर्मुज के जरिए होती है। यह एक बेहद महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है, जहां से कच्चा तेल विभिन्न देशों तक पहुंचता है। लेकिन, ईरान से जुड़े युद्ध जैसे हालातों ने इस रास्ते को प्रभावित कर दिया है, जिससे सप्लाई में भारी कमी आ गई है। जब सप्लाई घटती है और मांग बनी रहती है या बढ़ती है, तो कीमतों में उछाल आना तय है और अभी यही हो रहा है। तेल की इस कमी के चलते दुनिया भर की रिफाइनरी कंपनियां तेजी से कच्चा तेल खरीदने की कोशिश कर रही हैं। इससे बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है और कीमतें और ऊपर जा रही हैं। इतना ही नहीं, कच्चे तेल से बनने वाले पेट्रोल-डीजल जैसे ईंधन की सप्लाई पर भी असर पड़ रहा है, जिससे इनके दाम बढ़ने की संभावना और मजबूत हो गई है। इस स्थिति का असर केवल तेल कंपनियों तक

सीमित नहीं है। भारत जैसे देशों के लिए यह एक बड़ा झटका साबित हो सकता है। भारत बड़ी मात्रा में खाड़ी देशों से तेल आयात करता है। महंगा तेल सीधे तौर पर महंगाई बढ़ाता है। इससे ट्रांसपोर्ट का खर्च भी बढ़ जाता है, जिससे खाने-पीने की चीजों से लेकर रोजमर्रा के सामान तक सब कुछ महंगा हो सकता है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, विशेषज्ञों का मानना है कि अगर स्टेट ऑफ होर्मुज में स्थिति जल्द सामान्य नहीं हुई, तो तेल की कीमतें और भी ऊंचाई छू सकती हैं। ऐसे में सरकारों को ईंधन पर टैक्स में कटौती या अन्य राहत उपायों पर विचार करना पड़ सकता है। कच्चे तेल की कीमतों में यह रिकॉर्ड तेजी सिर्फ एक आर्थिक खबर नहीं, बल्कि वैश्विक अस्थिरता का संकेत है, जिसका असर हर आम आदमी की जिंदगी पर पड़ सकता है।

सरकारी कॉन्ट्रैक्ट छोड़ किया ऐसा काम कि बरसी दौलत और हुआ नाम, इंजीनियरिंग वाला दिमाग लगा दिया

नईदिल्ली, एजेंसी। यह कहानी पोन्नेरु मुरुगनंदम की है। वह तमिलनाडु के सलेम से हैं। उन्होंने आधुनिक खेती में हाइब्रिड बीजों और रसायनों के बढ़ते बोलबाले को तोड़ने का काम किया है। कभी वह एक सफल सरकारी सिविल कॉन्ट्रैक्टर थे। उन्होंने भ्रष्टाचार और व्यवस्था की खामियों से तंग आकर 15 साल पहले कंस्ट्रक्शन की दुनिया को अलविदा कह दिया। अपनी जड़ों यानी खेती की ओर लौट आए। आज वह 'ग्रॉसरी सीड बैंक' के जरिये 150 से अधिक देसी बीजों की किस्मों का संरक्षण कर रहे हैं। सब्जी, फल, दूध और सस्ते देसी बीज सीधे ग्राहकों को बेचकर वह हर साल 12 लाख रुपये कमाते हैं। उन्होंने साबित किया है कि खेती को एक प्रॉफिटेबल बिजनेस बनाया जा सकता है। आइए, यहां पोन्नेरु मुरुगनंदम की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। मुरुगनंदम ने 1987 में सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया। इसके बाद करीब 15 साल तक सड़क, पुल और रेलवे जैसे बड़े सरकारी प्रोजेक्ट्स पर काम किया। करोड़ों के टेंडर संभालने के बावजूद व्यवस्था में कमीशनखोरी और राजनीतिक हस्तक्षेप ने उनका मन खिन्न कर दिया। आखिरकार 2004 में उन्होंने कॉन्ट्रैक्टिंग का काम बंद कर दिया। सलेम के पास दो एकड़ जमीन खरीदकर खेती शुरू की। उनके पूर्वज दशकों से रसायन मुक्त खेती कर रहे थे। मुरुगनंदम ने उसी पारिवारिक विरासत को आगे बढ़ाया। स्वदेशी बीजों के संरक्षण को अपना मुख्य उद्देश्य बनाया। मुरुगनंदम की खेती का मॉडल पूरी तरह से प्रकृति के करीब है। उन्होंने अपनी जमीन को तीन हिस्सों में बांटा है। इसमें एक हिस्से को वह हमेशा खाली छोड़ते हैं। इसका मकसद यह होता है कि हरी खाद के जरिए मिट्टी की

उर्वरता प्राकृतिक रूप से बनी रहे। वह बाजार से खाद खरीदने के बजाय खुद केले, कद्दू और पपीते के कचरे को फर्मेंट करके माइक्रो-ऑर्गेनिज्म और पंचगव्य तैयार करते हैं। ड्रिप इरिगेशन और मल्चिंग जैसी तकनीकों के चलते उन्हें खेत में दिन भर में महज 3 घंटे काम करना पड़ता है। इससे श्रम और लागत दोनों की भारी बचत होती है। पोन्नेरु मुरुगनंदम के फार्म पर आज बीजों का बड़ा कलेक्शन है। इसमें कद्दू कैटेगरी सब्जियों की 40 किस्में, बैंगन की 15 और टमाटर की 10 से 15 किस्में (जैसे ब्लैक टोमैटो) शामिल हैं। इसके अलावा वह 25 तरह का साग, बैंगनी भिंडी और 3-फीट लंबे सहजन भी उगाते हैं। उनका फोकस सिर्फ सब्जियां बेचने पर नहीं है। इसके बजाय वह बीजों के प्रसार पर भी ध्यान देते हैं। वह देश भर के कृषि मेलों में जाकर किसानों को सिर्फ 30 रुपये में बीज के पैकेट उपलब्ध कराते हैं। कई बार गरीब किसानों को ये बीज मुफ्त में भी देते हैं। मुरुगनंदम ने अपने कारोबार में बिचौलियों को बीच से हटाया है। वह सीधे उपभोक्ताओं को सब्जियां, फल, दूध और बीज बेचते हैं। ऐसा करके वह सालाना 12 लाख रुपये कमा लेते हैं। अभी उनके पास 150 किस्म के देसी बीज हैं। इसे वह जल्द ही बढ़ाकर 250 करना चाहते हैं। हाल ही में मलेशिया की यात्रा के बाद अब वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बीज निर्यात करने के लिए जरूरी सर्टिफिकेशन हासिल करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

क्रूड ऑयल के गिरते ही रॉकेट बने आरआईएल, एचपीसीएल समेत कई स्टॉक्स

नईदिल्ली, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में आई तेज गिरावट ने भारतीय ऑयल कंपनियों के शेयरों में बड़ा उतार-चढ़ाव पैदा कर दिया है। हाल ही में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ दो हफ्ते के सीजफायर की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमतों में करीब 15-17 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गई। इसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार में ऑयल सेक्टर पर पड़ा, जहां कुछ कंपनियों के शेयर उछल गए तो कुछ में गिरावट देखने को मिली। आइए इसको जरा विस्तार से समझते हैं। तेल की कीमतों में गिरावट का सबसे ज्यादा फायदा डाउनस्ट्रीम कंपनियों को हुआ। इन कंपनियों का काम कच्चे तेल को रिफाइन करके पेट्रोल-डीजल बनाना होता है। जब कच्चा तेल सस्ता होता है, तो इनकी लागत घटती है और मुनाफा बढ़ता है। यही वजह है कि इनके शेयरों में

6 प्रतिशत से 9 प्रतिशत तक की तेजी देखी गई। वहीं रिलायंस के शेयरों में भी बढ़त दर्ज हुई, क्योंकि इसका रिफाइनिंग बिजनेस भी इस ट्रेंड से फायदा उठाता है। दूसरी ओर अपस्ट्रीम कंपनियों के लिए यह गिरावट नुकसानदायक साबित हुई। ऑयल और नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन और ऑयल इंडिया जैसी कंपनियों के शेयर 8 अप्रैल 2026 को 3.43 प्रतिशत तक गिर गए। ये कंपनियां सीधे कच्चे तेल का उत्पादन करती हैं, इसलिए तेल की कीमत गिरने से उनकी कमाई पर असर पड़ता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कच्चे तेल में हर 1 डॉलर की गिरावट से के राजस्व पर 300-400 करोड़ रुपये का असर पड़ सकता है। इस पूरे घटनाक्रम की जड़ स्ट्रेट ऑफ हॉर्मोज है, जो दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल सप्लाई का प्रमुख मार्ग है। इस क्षेत्र में तनाव कम होने से सप्लाई को लेकर डर घटा और कीमतें तेजी से नीचे आ गईं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि तेल की कीमतें अभी भी अस्थिर रह सकती हैं। अगर मिडिल ईस्ट में फिर से तनाव बढ़ता है, तो कीमतें दोबारा उछल सकती हैं। कुछ ब्रोकरेज फर्म्स का अनुमान है कि आने वाले समय में कच्चा तेल 85-90 डॉलर प्रति बैरल के बीच हो सकता है। आपको बता दें कि ईरान के प्रमुख ऊर्जा निर्यात केंद्र खारग द्वीप पर अमेरिकी हमलों की खबरों के बाद मंगलवार को कीमत 116.9 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी।

अदाणी की अमेरिकी अदालत से एसईसी धोखाधड़ी मामले को खारिज करने की अपील

न्यूयॉर्क, एजेंसी। उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी ने अमेरिकी अदालत से प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) की तरफ से दायर प्रतिभूति धोखाधड़ी मुकदमे को खारिज करने का अनुरोध किया है।अदाणी परिवार के वकीलों की तरफ से दलील दी गई है कि यह मामला अमेरिकी क्षेत्राधिकार से बाहर है और इसमें किसी भी तरह का गलत कार्य सिद्ध नहीं होता है। वकीलों ने आवेदन करने से पहले अमेरिकी अदालत को भेजे गए पत्र में कहा है कि 2021 में अदाणी समूह की नवीकरणीय ऊर्जा इकाई अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) द्वारा जारी 7.5 करोड़ डॉलर के बॉन्ड बिक्री के संदर्भ में एसईसी के दावे कई कानूनी आधारों पर दोषपूर्ण हैं।यह मुकदमा नवंबर, 2024 में दायर किया गया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि एजीईएल की तरफ से जारी बॉन्ड के निवेशकों को कथित तौर पर रिश्वत देने की योजना से अवगत नहीं कराया गया था।अदाणी पक्ष ने अदालत को बताया कि न तो गौतम अदाणी और न ही सागर अदाणी का अमेरिका के साथ पर्याप्त संपर्क था और न ही वे बॉन्ड पेशकश में प्रत्यक्ष रूप से शामिल थे। 2024 में यह पूरी तरह चुकता हो गया।वकीलों ने ईएसजी, भ्रष्टाचार-रोधी, और कॉरपोरेट प्रतिष्ठा के बारे में अमेरिकी बाजार नियामक के बयानों को केवल सामान्य कॉरपोरेट प्रचार बताते हुए कहा कि इन पर निवेशक भरोसा नहीं कर सकते।

बैंक आईडीबीआई बैंक डील पर बड़ा अपडेट, सरकार के इस कदम से होगा निवेशकों का फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार की विनिवेश योजना के तहत बैंक की बिक्री एक बार फिर चर्चा में आ गई है। ताजा खबरों के मुताबिक, सरकार अब संभावित खरीदारों से संशोधित वित्तीय बोलियां मांग सकती है, क्योंकि पहले दिए गए ऑफर तय रिजर्व प्राइस से कम थे। आसान शब्दों में कहें तो सरकार को उम्मीद के मुताबिक कीमत नहीं मिली, जिसके चलते यह प्रक्रिया थोड़ी अटक गई थी। आइए इसको जरा विस्तार से समझते हैं। दरअसल, सरकार और मिलकर बैंक में अपनी कुल 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रहे हैं। वर्तमान में दोनों के पास मिलाकर करीब 94.71 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिसमें सरकार की हिस्सेदारी 45.48 प्रतिशत और की 49.24 प्रतिशत है। इस बिक्री के जरिए सरकार अपने राजस्व को

बढ़ाना चाहती है, खासकर ऐसे समय में जब वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता बढ़ रही है।

इस डील में दिलचस्पी दिखाने वाले प्रमुख नामों में फेयरफैक्स फाइनेंशियल और एमिरेट्स शामिल हैं। इन दोनों ने फाइनेंशियल बिड्स तो जमा कर दी थीं, लेकिन ये बोली सरकार द्वारा तय न्यूनतम कीमत से कम पाई गईं। इसी वजह से अब सरकार इन कंपनियों से दोबारा बेहतर ऑफर देने को कह सकती है, ताकि डील को आगे बढ़ाया जा सके।

आपको बता दें कि यह पूरी प्रक्रिया पिछले तीन साल से चल रही है और अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। सरकार इस प्रक्रिया को फिर से शुरू नहीं करना चाहती, क्योंकि इससे और देरी हो सकती है। इसलिए संशोधित बोली मंगवाना एक व्यावहारिक विकल्प माना जा रहा है।

सरकार के लिए यह डील इसलिए भी अहम है, क्योंकि वह विनिवेश और एसेट मोनेटाइजेशन के जरिए पैसा जुटाकर अर्थव्यवस्था को मजबूत करना चाहती है। अगर यह सौदा सफल होता है, तो यह भारत के बैंकिंग सेक्टर में एक बड़ा बदलाव साबित हो सकता है, जहां एक सरकारी बैंक निजी हाथों में जाएगा। इसके शेयर परफॉर्मेंस की बात करें तो 7 अप्रैल 2026 को इसके शेयर में हल्की गिरावट देखने को मिली। ये स्टॉक 0.77 प्रतिशत फिसलकर 69.52 पर पहुंच गया कमजोर सेंटीमेंट के बीच स्टॉक में सीमित दबाव देखने को मिल रहा है, जिससे निवेशक अभी सतर्क नजर आ रहे हैं। यह डील निवेशकों के लिए हाई रिस्क, हाई रिवॉर्ड जैसी स्थिति बना सकती है। शॉर्ट टर्म में उतार-चढ़ाव संभव है, लेकिन अगर प्राइवेटाइजेशन सफल रहता है, तो लंबी अवधि में यह स्टॉक बेहतर रिटर्न दे सकता है।

अब फोनपे एसबीआई कार्ड पाएँ जीरो जॉइनिंग फीस पर; सभी ऑनलाइन खर्चों पर मिलेंगें 5 प्रतिशत रिवार्ड्स

भोपाल, एजेंसी। फोनपे ने हाल ही में लॉन्च किए गए फोनपे एसबीआई कार्ड क्रेडिट कार्ड पर, एक शानदार लिमिटेड टाइम ऑफर की घोषणा की है। प्रीमियम फाइनेंशियल रिवार्ड्स का लाभ सभी को मिल सके, इसके लिए, यह कार्ड अब पहले साल के लिए जीरो जॉइनिंग फीस के साथ पूरी तरह से फ्री है। मॉडर्न डिजिटल कस्टमर के लिए डिज़ाइन किया गया यह कार्ड, (जो रूपे और वीसा दोनों प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है) ऑनलाइन शॉपिंग को खास बनाता है और हर ऑनलाइन शॉपिंग पर रिवार्ड्स कमाने का मौका देता है। इसमें कार्डहोल्डर्स को क्या-क्या मिलेगा- जीरो जॉइनिंग फीस- पहले साल में यूजर्स, बिना कोई फीस दिए कार्ड के प्रीमियम लाभों

PhonePe

का आनंद उठा सकते हैं। सभी ऑनलाइन ब्रांड्स पर 5 प्रतिशत रिवार्ड्स- एक यूनिवर्सल रिवार्ड स्ट्रक्चर जो हर डिजिटल चेकआउट पर रिवार्ड्स सुनिश्चित करता है, चाहे मर्चेंट कोई भी हो। सिलेंडर बुकिंग, मोबाइल रिचार्ज और बिल पेमेंट्स पर शानदार सेविंग्स करें। फोनपे प्लेटफॉर्म पर इंश्योरेंस प्रीमियम का पेमेंट करने पर भी आकर्षक रिवार्ड्स पाएँ। रूपे स्कैन करें और पेमेंट करें पर 1 प्रतिशत रिवार्ड्स- हर क्यूआर स्कैन पर 1 प्रतिशत रिवार्ड्स मिलते हैं जो आपके सामान्य यूपीआई खर्चों को भी फायदेमंद बनाता है। हर क्यूआर स्कैन पर 1 प्रतिशत रिवार्ड्स मिलते हैं जो आपके सामान्य यूपीआई खर्चों को भी फायदेमंद बनाता है। डोमेस्टिक एयरपोर्ट लाउंज में कॉम्प्लिमेंट्री एक्सेस (हर साल 4 एक्सेस वो भी बिना किसी खर्च लिमिट के) और इंटरनेशनल लाउंज के लिए 2 साल की प्रायोरिटी पास मेंबरशिप भी मिलती है। जिससे आपका ट्रैवेल एक्सपीरियंस को प्रीमियम बनता है। यूजर्स एसबीआई कार्ड पर कमाए गए रिवॉर्ड पॉइंट्स का उपयोग, क्रेडिट कार्ड बिल को कम करने के लिए कर सकते हैं।

जाह्नवी कपूर

मां श्रीदेवी के निधन से टूट गई थीं

संघर्षों को याद कर छलका दर्द

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने हाल ही में अपनी निजी जिंदगी से जुड़ा एक भावुक किस्सा शेयर किया है। उन्होंने अपनी दिवंगत मां श्रीदेवी को लेकर खुलकर बात की और बताया कि उनके निधन का दर्द आज भी उनके दिल में उतना ही ताजा है। समय जरूर बीत गया है, लेकिन मां को खोने का जो खालीपन है, वो आज भी उन्हें अंदर से तोड़ देता है। इस घटना ने उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल दी। जाह्नवी ने बताया कि मां के जाने के बाद उन्हें अचानक से बड़ा होना पड़ा। पहले वो हर फैसले के लिए अपनी मां पर डिपेंड रहती थीं, क्या पहनना है, क्या सही है, क्या गलत, सब कुछ मां ही डिसाइड करती थी। लेकिन उनके जाने के बाद उन्हें ये सब खुद देखना पड़ा और उस समय लोग उनके परिवार को लेकर तरह-तरह की बातें कर रहे थे। उस मुश्किल समय में उन्होंने कुछ गलत फैसले लिए और कुछ ऐसे लोगों को अपनी जिंदगी में जगह दे दी, जिन्होंने उनका फायदा उठाया। जाह्नवी ने आगे कहा कि मां के जाने के साथ उन्हें ऐसा लगा जैसे उन्होंने सिर्फ एक नहीं, बल्कि अपने पिता बोनी कपूर को भी खो दिया, क्योंकि मां के साथ उनका जो बिहेवियर था, वो भी बदल गया। वो उनकी हंसी, उनकी बातें और उनका साथ बहुत मिस करती हैं। अगर आज उन्हें मां से कुछ कहना हो, तो वह बस यही कहेंगी कि अब वो उन्हें समझती हैं और इस बात का अफसोस है कि पहले ऐसा नहीं कर पाई। इसके अलावा उन्होंने अपनी मां के संघर्षों को याद कर बताया कि जब वो अपने करियर के शुरुआती दौर में थी, तब लोगों ने उनके साथ अच्छा बिहेव नहीं किया। उन्हें 'होमब्रेकर' तक कहा गया, जिससे उन्हें बहुत दुख हुआ था। उनकी मां ने बहुत छोटी उम्र से काम करना शुरू कर दिया था, लेकिन उन्होंने कभी अपने बच्चों के साथ अपने बुरे वक्त के बारे में शेयर नहीं किया। बता दें कि बोनी कपूर पहले मोना कपूर से शादीशुदा थे, जिनसे उनके दो बच्चे अर्जुन कपूर और अंशुला कपूर हैं। बाद में उन्होंने श्रीदेवी से शादी की, जिनसे जाह्नवी और खुशी कपूर हैं।

प्रणाली राठौड़

खतरों के खिलाड़ी 15 में नजर आएंगी

ये रिश्ता क्या कहलाता है में अक्षरा की भूमिका निभाकर पॉपुलैरिटी हासिल करने वाली प्रणाली राठौड़ किसी पहचान की मोहताज नहीं है। एक बार फिर से एक्ट्रेस अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर सुर्खियों में हैं। कलर्स चैनल का पॉपुलर रिएलिटी शो खतरों के खिलाड़ी एक बार फिर से नए सीजन के संग टीवी पर वापसी के लिए बिल्कुल तैयार है। इस शो के नए सीजन को भी रोहित शेट्टी ही होस्ट करने वाले हैं। 2025 में शो का टेलीकास्ट नहीं हुआ था, लेकिन इस साल नए सीजन के संग ये रिएलिटी शो वापसी के लिए तैयार है। कुछ वक्त पहले ही मेकर्स ने नए सीजन की घोषणा की थी. अब धीरे-धीरे शो में पार्टिसिपेट करने वाले कंटेस्टेंट्स को लेकर भी चर्चाएं तेज हो चुकी हैं। फैंस ये जानने के लिए काफी बेताब हैं कि इस सीजन में कौन-कौन से कलाकार नजर आएंगे। लेटेस्ट अपडेट के अनुसार ये रिश्ता क्या कहलाता है फेम प्रणाली राठौड़ का नाम सामने आया है। ये रिश्ता क्या कहलाता है में प्रणाली को अक्षरा के कैरेक्टर में काफी पसंद किया गया था। इतना ही नहीं हर्षद चोपड़ा के संग उनकी जोड़ी ने छोटे पर्दे पर आग लगा दी थी। प्रणाली ने अपने करियर की शुरुआत प्यार पहली बार से की थी। अगर अब प्रणाली इस शो का हिस्सा बनती हैं तो उन्हें संस्कारी बहू का चोला छोड़ अब खतरनाक स्टंट करना पड़ेगा। प्रणाली राठौर के अलावा खबरें हैं कि फरहाना भट्ट, अंकित गुप्ता और ईशा मालवीय जैसे कलाकार भी इस शो का हिस्सा बन सकते हैं।

धुरंधर से सबकी जली, जाकिर का बयान सुनकर अमीषा पटेल बोलीं- नेगेटिविटी फैलाना बंद करो

कॉमेडियन जाकिर खान हाल ही में एक अवॉर्ड शो में अपने बयान को लेकर विवादों में आ गए. उन्होंने कहा कि फिल्म 'धुरंधर' की सफलता से बॉलीवुड में कई लोग जल रहे हैं। उनका ये बयान सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। हालांकि जाकिर का ऐसा कहना बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल को रास नहीं आया। उन्होंने एक पोस्ट को शेयर करते हुए जवाब दिया है. और नफरत न फैलाने की बात कही है। अमीषा ने लिखा- दोस्त, नेगेटिविटी फैलाना बंद करो। फिल्म इंडस्ट्री ने हमेशा टैलेंट की कद्र की है और 'धुरंधर' जैसी फिल्मों को सम्मान दिया है। शाहरुख खान, सलमान खान, सनी देओल, ऋतिक रोशन और अजय देवगन जैसे सुपरस्टार्स ने सिर्फ एक-दो नहीं, बल्कि 25 से ज्यादा मेगा हिट फिल्में दी हैं और आगे भी देते रहेंगे। अमीषा ने आगे लिखा- थोड़ा शांत रहो... 'गदर' जैसी सफलता तो इंडस्ट्री सालों से हासिल करती आ रही है और आगे भी करती रहेगी।

तुंबाड 2 का बड़ा धमाका

रोमांचक मोशन पोस्टर के साथ फिल्म की शूटिंग का हुआ आगाज़

'तुंबाड' के साथ सोहम शाह ने सिनेमा की एक ऐसी मास्टरपीस बनाई जिसने धीरे-धीरे अपनी एक कल्ट पहचान बना ली, और आज इसे हिंदी लोककथाओं पर आधारित बेहतरीन फैंटेसी फिल्मों में से एक माना जाता है। 2024 में इसके दोबारा रिलीज होने ने इसकी विरासत को और बढ़ा दिया, जिससे यह भारत की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली री-रिलीज फिल्म बन गई। तभी से 'तुंबाड 2' को लेकर एक्साइटमेंट आसमान छू रही है, और सोहम शाह की अनाउंसमेंट ने आगे आने वाली चीजों को लेकर दिलचस्पी और गहरी कर दी है। इसी बीच, मेकर्स ने शूटिंग शुरू होने की घोषणा करते हुए एक दिलचस्प मोशन पोस्टर जारी किया है। जैसे ही मेकर्स ने मुहूर्त शॉट के साथ शूटिंग शुरू होने का ऐलान किया। 'पूर्ति की देवी' की मूर्ति वाले इस मोशन पोस्टर के साथ 'तुंबाड 2' की शुरुआत हो गई है। जो बात जिज्ञासा को वाकई बढ़ा देती है, वो है इसकी लाइन 'प्रलय आएगा', जिसने हम सबको यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या कुछ बहुत बड़ा होने वाला है। बहुप्रतीक्षित 'तुंबाड 2' की रिलीज के लिए एक्साइटमेंट को और ज्यादा बढ़ा दिया है। जहाँ मुहूर्त पूजा ने फिल्म के लिए उम्मीदें पहले ही बहुत बढ़ा दी हैं, वहीं अब मेकर्स ने फिल्म का मोशन पोस्टर जारी कर दिया है, जिसने दर्शकों की धड़कनें तेज कर दी हैं क्योंकि एक्साइटमेंट अब एक अलग ही लेवल पर पहुँच गई है। तुंबाड 2 को आदेश प्रसाद डायरेक्ट कर रहे हैं और इसके लीड एक्टर और प्रोड्यूसर सोहम शाह हैं, जो इसे अपने बैनर 'सोहम शाह फिल्म्स' के अंडर बना रहे हैं। इसमें पेन स्टूडियोज़ भी साथ है, जिसके हेड दिग्गज प्रोड्यूसर डॉ. जयंतीलाल गडा हैं वही जिन्होंने RRR और गंगूबाई काठियावाड़ी जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। फिल्म का डिस्ट्रीब्यूशन पेन मरुधर के जरिए किया जाएगा।

'मंगल मुखी' पहचान, हिम्मत और इंसाफ के सफर को दिखाती है

नमिष तनेजा

लोकप्रिय अभिनेता नमिष तनेजा आगामी वेब सीरीज 'मंगल मुखी' में नजर आएंगे। यह सीरीज ट्रांसजेंडर समुदाय के जीवन और उनके रोजमर्रा के संघर्षों पर आधारित क्राइम ड्रामा है। तनेजा ने करियर में पहली बार किसी ट्रांसजेंडर के साथ काम किया है। सीरीज में उनके साथ एला डी वर्मा भी मुख्य भूमिका में हैं। नमिष ने अपने अनुभव को शेयर करते हुए कहा कि यह उनके लिए एक नया और यादगार सफर रहा। उन्होंने बताया, 'ऐसा पहली बार हुआ है, जब मैं इस तरह की कहानी का हिस्सा बना हूं। साथ ही, यह भी पहली बार है, जब मैंने किसी ट्रांसजेंडर अभिनेता के साथ काम किया है। 'नमिष ने आगे कहा, 'सच बताऊं तो यह अनुभव बहुत आरामदायक और सीखने वाला रहा। मैंने एला को पहले इंस्टाग्राम पर इन्फ्लुएंसर के रूप में देखा था। लेकिन, उनके साथ काम करने पर पता चला कि वे कितनी बेहतरीन अभिनेत्री हैं। अपनी भूमिका में वह बहुत गहराई और सच्चाई लाती हैं। 'शो के बारे में बात करते हुए नमिष तनेजा ने कहा कि 'मंगल मुखी' की सबसे अच्छी बात यह है कि यह उन चीजों को सामान्य बनाता है जो हमेशा से सामान्य होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'टैलेंट, भावनाएं और इंसानी जुड़ाव महिला-पुरुष से कहीं आगे होते हैं। इस सीरीज का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत खास रहा। ''मंगल मुखी' हंगामा ओटीटी पर दिखाया जाएगा। इसमें नमिष तनेजा एक अहम भूमिका में हैं, साथ ही एला डी वर्मा और रति पांडे भी नजर आएंगी। यह कहानी पहचान, हिम्मत और इंसाफ के सफर को दिखाती है, जिसकी पृष्ठभूमि में वाराणसी और मुंबई के दो बिल्कुल अलग-अलग माहौल हैं।यह सीरीज 'मंगल मुखी' के इर्द-गिर्द घूमती है। उत्तर प्रदेश की एक ट्रांसजेंडर पुलिस अफसर, जिसका उसके साथी लंबे समय से मजाक उड़ाते रहे हैं और उसके सीनियर उसे नजरअंदाज करते रहे हैं।

अल्लू अर्जुन ने अपने जन्मदिन पर एटली के साथ अपनी अगली बड़ी फिल्म 'राका' का टाइटल जारी करते हुए चौंकाने वाला और पूरी तरह बदला हुआ लुक पेश किया

भारत के सबसे बड़े सुपरस्टार अल्लू अर्जुन अपनी अगली एक्शन से भरपूर फिल्म के साथ धमाका करने के लिए तैयार हैं, जिसमें वह एटली के साथ काम कर रहे हैं और दीपिका पादुकोण भी उनके साथ नजर आएंगी। यह एक भव्य, अल्लू अर्जुन के नेतृत्व वाली ब्लॉकबस्टर फिल्म बनने जा रही है।अल्लू अर्जुन भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं, जिन्होंने अपनी शानदार पकड़ और दमदार फैन फॉलोइंग से पूरी दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। अल्लू अर्जुन हमेशा अपने फैंस को बड़े सरप्राइज देने के लिए जाने जाते हैं,अल्लू अर्जुन का जन्मदिन, जो पहले सिर्फ एक जश्न होता था, अब इंडस्ट्री के लिए एक खास दिन बन गया है, जहां हर साल बड़ी घोषणाएं होती हैं। इस बार यह और भी बड़ा, बोल्ड और पूरी तरह से अप्रत्याशित है। अपने जन्मदिन के मौके पर अल्लू अर्जुन ने एटली के साथ अपनी अगली फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया और साथ ही इसका टाइटल भी बताया। पोस्टर और टाइटल शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, #AA22xA6 अब राका है पोस्टर में अल्लू अर्जुन का एक बेहद चौंकाने वाला और पूरी तरह बदला हुआ लुक देखने को मिलता है। एक भेड़िए जैसी फर वाली हाथ की आकृति, बड़े नुकीले पंजों के साथ उनके चेहरे का एक हिस्सा ढकती हुई नजर आती है, आधे गंजे और रफ हेयरस्टाइल के साथ 'राका' टाइटल का खुलासा, इस लुक को और भी दमदार और रहस्यमयी बनाता है। हाल ही में सिनेमा में 23 शानदार साल पूरे करने वाले अल्लू अर्जुन की यात्रा हमेशा बोल्ड और निडर फैसलों से भरी रही है, जो हर बार सफल साबित हुए हैं। हर फिल्म के साथ खुद को नए रूप में पेश करने और फिर भी दर्शकों से जुड़ने की उनकी क्षमता उन्हें एक सुपरस्टार ही नहीं, बल्कि एक अलग ही स्तर का फेनोमेनन बनाती है। इस उत्साह को और बढ़ाते हुए, यह फिल्म पहली बार अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण को एक साथ लाती है। यह दो बड़े सितारों का साथ आना है, जो अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और पैन-इंडिया अपील के लिए जाने जाते हैं। अगर जन्मदिन सरप्राइज के लिए जाने जाते हैं, तो अल्लू अर्जुन ने अपने जन्मदिन को एक ऐसे वार्षिक उत्सव में बदल दिया है, जिसका इंतजार दुनियाभर के फैंस हर साल करते हैं।

(साभार एजेंसी)

आईपीएल 2026 के बीच अफगानिस्तान को बड़ा झटका

दिग्गज स्पिनर भारत टेस्ट से हो सकते हैं बाहर

नईदिल्ली (एजेंसी)। राशिद खान के भारत के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट से बाहर रहने की संभावना ने अफगानिस्तान टीम को बड़ा झटका दिया है। जून में खेले जाने वाले इस मुकाबले से पहले राशिद ने खुद साफ संकेत दे दिए हैं कि वह इस मैच में शायद हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

डॉक्टर की सलाह बनी बड़ी वजह - राशिद खान ने खुलासा किया कि उनकी पीठ की चोट (बैक इंजरी) को लेकर डॉक्टर ने उन्हें साफ तौर पर रेड-बॉल क्रिकेट से दूर रहने की सलाह दी है। लगातार लंबे स्पेल फेंकने से उनकी चोट बढ़ सकती है, जिससे उनके करियर पर भी असर पड़ सकता है।

राशिद खान का बड़ा बयान - राशिद ने अपने फैसले पर खुलकर कहा, रेड-बॉल क्रिकेट मेरे लिए थोड़ा मुश्किल है क्योंकि डॉक्टर ने साफ कहा है कि इससे दूर रहो। मैंने पहले भी खेला, लेकिन सर्जरी के बाद जब मैंने 67 ओवर डाले तो डॉक्टर हैरान रह गए। उन्होंने कहा कि अगर लंबा करियर चाहिए तो इस फॉर्मेट से दूरी बनानी होगी।

टेस्ट क्रिकेट में सीमित भागीदारी - अफगानिस्तान के टेस्ट खेलने वाला देश बनने के बाद से राशिद ने इस फॉर्मेट में बहुत कम मैच खेले हैं। उन्होंने संकेत दिया कि वह साल में एक टेस्ट तक ही खुद को सीमित रख सकते हैं, क्योंकि लगातार लंबे स्पेल उनके शरीर पर ज्यादा दबाव डालते हैं।

आखिरी गेंद की हार के बाद टूटे मिलर, डीसी कोच ने गले लगाकर बढ़ाया हौसला

नईदिल्ली (एजेंसी)। देहली केपीटल्स को गुजरात टाइटंस के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 1 रन से हार का सामना करना पड़ा। 210 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली 209/8 तक ही पहुंच सकी और आखिरी गेंद पर मैच हाथ से निकल गया।

मिलर की पारी गई बेकार

डेविड मिलर ने 20 गेंदों में नाबाद 41 रन बनाकर टीम को जीत के बेहद करीब पहुंचा दिया था। हालांकि, आखिरी ओवर में लिया गया एक फैसला और रन आउट ने उनकी शानदार पारी पर पानी फेर दिया।

कोच ने बढ़ाया हौसला, वीडियो वायरल - मैच के बाद दिल्ली कैपिटल्स ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें मिलर अकेले बैठे नजर आए और हार से काफी निराश दिखे। इसी दौरान टीम के कोच हेमांग बदांगी उनके पास पहुंचे और उन्हें सांत्वना देते नजर आए। यह भावुक पल सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

गावस्कर ने किया मिलर का समर्थन

भारत के दिग्गज सुनील गावस्कर ने मिलर के फैसले का समर्थन करते हुए कहा, उन्होंने खुद पर भरोसा दिखाया, लेकिन शायद उन्हें कुलदीप यादव को स्ट्राइक देनी चाहिए थी। हालांकि जिस आत्मविश्वास से वह खेल रहे थे, उसे देखते हुए उन्हें पूरी तरह गलत नहीं कहा जा सकता।

राहुल की पारी भी नहीं आई काम

केएल राहुल ने 52 गेंदों में शानदार 92 रन बनाकर दिल्ली को मजबूत शुरुआत दिलाई। बावजूद इसके, मिडिल ऑर्डर के लगातार विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई और अंत में जीत से चूक गई।

किंग कोहली से तुलना पर भड़के बाबर आजम, बोली ये बड़ी बात

पेशावर (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम का एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है. जिसमें वो पत्रकार से कोहली से तुलना करने से रोक रहे है और साथ में ये भी कह रहे हैं कि मैं ने भी बहुत से मैच फिनिश किए हैं। दरअसल बाबर आजम की ये वीडियो पीएसएल 2026 के मैच (हैदराबाद किंग्समेन बनाम पेशावर जालमी) के बाद की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस की है. उस मैच में जालमी ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया और हैदराबाद किंग्समेन को 145 के मामूली टोटल पर रोक दिया. लक्ष्य का पीछा करते हुए, बाबर ने 37 गेंदों पर 43 रन बनाकर पारी को संभाला, लेकिन मैच फिनिश करने से पहले ही आउट हो गए. उसके बाद बाबर की टीम ने आखिरी गेंद पर जीत हासिल की।

विराट से तुलना पर भड़के बाबर

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक पत्रकार ने बाबर से उनकी फिनिशिंग काबिलियत को लेकर हो रही चर्चा के बारे में पूछा, और उनकी तुलना भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली से की। पत्रकार ने पूछा, आपसे बहुत उम्मीदें हैं, आप इनिंग को आगे बढ़ाते हैं लेकिन गेम फिनिश नहीं करते. आपकी तुलना अक्सर विराट कोहली से की जाती है, क्या आपको लगता है कि यह तुलना सही है? हालांकि, बाबर ने सवाल को बीच में ही रोकते हुए तुलना को तुरंत बंद कर दिया. बाबर ने कहा, खत्म कर दें आप, जिस वजह से आप सवाल कर रहे हैं।

पेशावर जालमी का प्रदर्शन

पाकिस्तान सुपर लीग के 11वें सीजन में बाबर आजम की टीम पेशावर जालमी ने अब तक शानदार खेल का प्रदर्शन किया है. तीन मैच में दो जीत और एक मैच रद्द होने से वो 5 अंको के साथ पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर हैं. जबकि मुल्तान सुल्तान पांच मैच के बाद 8 अंको के साथ पहले स्थान पर है, वहीं कराची किंग और इस्लामाबाद यूनाइटेड दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप

लक्ष्य के बाद सिंधु भी टूर्नामेंट से हुई बाहर

भारत को लगा बड़ा झटका

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के दो स्टार शटलर 'लक्ष्य सेन' और 'पीवी सिंधु' का बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 में सफर खत्म हो गया. चीन के निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट सेंटर में खेली जा रही चैंपियनशिप में आज (गुरुवार, 9 अप्रैल) राउंड ऑफ 16 में सिंधू को वर्ल्ड की नंबर दो वांग झी यी से हार का सामना करना पड़ा. वांग झी ने सिंधु को सीधे गेम में 21-18, 21-8 से हरा दिया, जिससे टूर्नामेंट में उनका सफर खत्म हो गया।

सिंधु ने पहले गेम में कड़ा मुकाबला किया. जिसकी वजह से वो 18 पॉइंट तक बराबरी पर रहीं लेकिन उसके बाद वो कुछ रैलियों को अपने पक्ष में नहीं कर पाईं.

जिससे उन्हें पहला गेम 18-21 से हारना पड़ा. लेकिन, दूसरे गेम में वांग पूरी तरह से अपना दबदबा बनाई रखीं, सिंधु को आगे ही नहीं निकलने दी. जिसकी वजह से वो दूसरे गेम को भी बड़े अंतर 21-8 से अपने नाम करने में सफल रहीं।

लक्ष्य सेन पहले दौर में ही हारे

सिंधू के बाहर होने से सिंगल्स मुकाबलों में भारत के लिए चैंपियनशिप में मुश्किलें और बढ़ गई हैं. इससे पहले टूर्नामेंट में लक्ष्य सेन को पहले ही दौर में हांगकांग के ली चेउक यिू के हाथों हार का सामना करना पड़ा था. लक्ष्य, जो ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के बाद इस टूर्नामेंट में उतरे थे, 41 मिनट चले मुकाबले में 12-21, 19-21 से हार गए।

दूसरे शटलरों से भारत को उम्मीद

दोनों स्टार शटलर के जल्दी बाहर हो जाने से सिंगल्स कैटेगरी में भारत की उम्मीदों को झटका लगा है. हालांकि, भारत का प्रतिनिधित्व अभी भी दूसरी कैटेगरी में राउंड ऑफ 16 में बना हुआ है। मेंस सिंगल्स में एच.एस. प्रणॉय का मुकाबला वेंग होंग यांग से होगा, जबकि मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी का सामना चेन तांग जी और तोह ई वेई से होगा। विमेंस डबल्स में, ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का मुकाबला आज बाद में यूकी फुकुशिमा और मायु मात्सुमोतो से होगा, वहीं वुमेंस सिंगल्स में आकर्षी कश्यप भी

बेंगलुरु और राजस्थान के मुकाबले में शीर्षक्रम के बल्लेबाजों पर रहेगी नजरें

गुवाहाटी (एजेंसी)। यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी से मिल रही आक्रामक शुरूआत के साथ राजस्थान रॉयल्स शुक्रवार को यहां गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ आईपीएल के मैच में अपना दबदबा कायम रखना चाहेगी जबकि आरसीबी की उम्मीदें फॉर्म में चल रहे देवदत्त पडिक्कल पर टिकी होंगी।

दो साल पहले टी20 क्रिकेट से विदा लेने के बावजूद आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के प्रदर्शन में कमी नहीं आई है। उनके मार्गदर्शन में आरसीबी ने संतुलित शीर्षक्रम तैयार कर लिया है और पिछले मैच में फिल साल्ट ने भी उम्दा पारी खेली थी। तीसरे नंबर पर उतर रहे पडिक्कल ने घरेलू क्रिकेट का अपना फॉर्म कायम रखते हुए संतुलित आक्रामकता के साथ बल्लेबाजी की है।

आईपीएल में अपने पदार्पण सत्र में आरसीबी के लिए 473 रन बनाने वाले पडिक्कल बाद में राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स के साथ उस सफलता को दोहरा नहीं सके थे। पिछले सत्र में वह आरसीबी में लौटे और पहली बार उसे आईपीएल खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

'द मास्टर्स' गोल्फ, 92 साल पुराने टूर्नामेंट में रोचक परंपराएं

मोबाइल बैन इसलिए फील्ड पर लैंडलाइन, विजेता तय करता है डिनर का मेन्यू

ऑगस्टा (एजेंसी)। गोल्फ की दुनिया में 'द मास्टर्स' का स्थान चारों मेजर टूर्नामेंट में सबसे ऊपर माना जाता है। इस साल प्रतिष्ठित मेजर चैम्पियन?शिप का 90वां संस्करण खेला जा रहा है। ऑगस्टा नेशनल गोल्फ क्लब के हरे-भरे और शानदार मैदानों पर यह केवल एक टूर्नामेंट नहीं है, बल्कि परंपराओं और इतिहास का महाकुंभ है। मास्टर्स टूर्नामेंट की स्थापना वर्ष 1934 में गोल्फ के दिग्गज एमेच्योर चैम्पियन बॉबी जोन्स और निवेश बैंकर क्लिफर्ड रॉबर्ट्स ने की थी। मैदान के इतिहास (एक पूर्व नर्सरी) का सम्मान करते हुए, कोर्स के हर होल का नाम किसी न किसी पेड़ या झाड़ी के नाम पर रखा गया है।

मास्टर्स की सबसे बड़ी पहचान 'ग्रीन जैकेट' की शुरुआत 1937 में हुई थी। शुरुआत में इसे क्लब के सदस्यों के लिए पेश किया गया था ताकि वे अलग दिख सकें, लेकिन बाद में इसे विजेताओं को दिया जाने लगा।

मैदान पर सिर्फ 16 खिलाड़ियों को एंट्री

आईपीएल के नए नियम में बाउंड्री के बाहर मूवमेंट पर रोक, सिर्फ 5 एक्स्ट्रा प्लेयर्स ही रहेंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के दौरान बीसीसीआई ने नया नियम लागू किया है। इसके मुताबिक बेंच पर बैठे खिलाड़ी मैच के दौरान मैदान में नहीं घूम सकेंगे। टीम शीट में शामिल 16 खिलाड़ियों के अलावा किसी को मैदान में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। ड्रिंक्स, बैट या मैसेज देने के लिए सिर्फ वही खिलाड़ी मैदान में जा सकेंगे जो इन 16 में शामिल हैं। हाल ही में यह निर्देश टीम मैनेजमेंट को दिए गए हैं। वजह अभी स्पष्ट नहीं है। एक समय में सिर्फ पांच खिलाड़ी बाउंड्री लाइन के पास घूम सकते हैं।

एक टीम में करीब 25 प्लेयर्स होते हैं - आमतौर पर आईपीएल टीमों में करीब 25 खिलाड़ी होते हैं। हर मैच के लिए सिर्फ 16 खिलाड़ियों को टीम शीट में नाम दिया जाता है।

नया नियम क्यों लाया गया

बीसीसीआई ने आधिकारिक वजह साफ नहीं की। टीम मैनेजमेंट और एक्सपर्ट्स इसे तीन कारणों से जोड़ रहे हैं-

- मैच की स्पीड बढ़ाना- बार-बार ड्रिंक्स/मैसेज देने से खेल धीमा हो रहा था।
- अनफेयर एडवांटेज रोकना- बाहर बैठे खिलाड़ी लगातार कोचिंग/रणनीति पहुंचा रहे थे।
- सिक्योरिटी और कंट्रोल- बाउंड्री लाइन के पास भीड़ कम कर बेहतर मॉनिटरिंग।

आईपीएल में पहले भी हुए ऐसे बदलाव

आईपीएल में पहले भी ऐसे बदलाव हुए हैं। छोटे नियम बदलाव बड़े असर डाल चुके हैं। इसमें 2023 में लाया गया इम्पैक्ट प्लेयर रूल, कप्तानों पर स्लो ओवर पेनल्टी, नो-बॉल और वाइड पर डीआरएस शामिल हैं।

सिनर और अल्काराज ने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत जीत के साथ की

मोनाको (एजेंसी)। जानिक सिनर और कार्लोस अल्काराज ने दुनिया के नंबर एक स्थान के लिए अपनी होड़ जारी रखी, क्योंकि उन्होंने मोंटे कार्लो मास्टर्स में दूसरे दौर में शानदार जीत के साथ अपने क्ले-कोर्ट 'सीजन की शुरुआत की। बिना कोई सेट गंवाए' सनशाइन डबल' पूरा करने के बाद, सिनर को फ्रांसीसी खिलाड़ी ह्यूगो हम्बर्ट को 6-3, 6-0 से हराने में सिर्फ़ 64 मिनट लगे - उन्होंने दूसरे सेट में सिर्फ छह पॉइंट गंवाए।

यह इस इतालवी दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी की लगातार 18वीं मास्टर्स 1000 जीत थी, जिसने अब इस स्तर पर लगातार 36 सेट जीते हैं। अगर सिनर मोनाको में जीत हासिल करते हैं, तो सोमवार को रैंकिंग अपडेट होने पर वह अल्काराज की जगह दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगे। मौजूदा चैंपियन अल्काराज ने मंगलवार को बाद में, क्ले पर छह बार के एटीपी टूर चैंपियन, अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बेज के खिलाफ 70 मिनट में 6-1, 6-3 से जीत के साथ अपने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत की। यह क्ले पर इस स्पेनिश खिलाड़ी का पहला मैच था, जब पिछले साल के रोमांचक फ्रेंच ओपन फाइनल में उन्होंने सिनर को हराया था; उस मैच में वह दो सेट पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने तीन चैंपियनशिप पॉइंट बचाते हुए अपना दूसरा रौलां गैरो खिताब जीता था। अल्काराज, जिनका क्ले पर 22-1 का रिकॉर्ड है और जिन्होंने 2025 में इस सतह पर तीन खिताब जीते हैं, नवंबर से नंबर एक स्थान पर काबिज़ हैं। अल्काराज ने कहा, मैं दुनिया का नंबर एक स्थान गंवाने वाला हूं। मुझे नहीं पता कि यह इसी टूर्नामेंट में होगा या अगले टूर्नामेंट में। जैसे-जैसे सीजन यूरोपियन क्ले-कोर्ट स्विंग की ओर बढ़ रहा है, दोनों खिलाड़ियों के बीच अंकों का अंतर घटकर 1,190 रह गया है। मई की शुरुआत में होने वाले इटैलियन ओपन तक सिनर के पास बचाव के लिए कोई रैंकिंग अंक नहीं हैं, क्योंकि पिछले साल इसी समय वह दो डोपिंग टेस्ट में फेल होने के कारण तीन महीने का निलंबन झेल रहे थे। अगर उन्हें सात बार के मेजर विजेता के साथ रैंकिंग में अपनी जगह बदलनी है, तो उन्हें कम से कम सेमीफ़ाइनल तक पहुंचना होगा और फिर मोंटे कार्लो में अल्काराज के प्रदर्शन से बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

एक रन से मैच जीतने के बाद शुभमन को मिली बड़ी सजा

गिल पर 12 लाख का लगा जुर्माना

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज करना गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल पर भारी पड़ गया. मैच के बाद उनपर स्लो ओव रेट की वजह से 12 लाख का जुर्माना ठोक दिया गया।

आईपीएल ने एक बयान जारी करके कहा, गुजरात टाइटन्स (जीटी) के कप्तान शुभमन गिल पर जुर्माना लगाया गया है, क्योंकि उनकी टीम ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 14वें मैच के दौरान धीमी ओवर-रेट बनाए रखी।

बयान में आगे कहा गया, चूंकि आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यह इस सीजन में उनकी टीम का पहला अपराध था. जिसकी वजह से गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इससे पहले, पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर आईपीएल 2026 में धीमी ओवर-रेट के लिए दो बार जुर्माना लगाया जा चुका है. पहले 12 लाख और दूसरी बार 24 लाख का जुर्माना लगा। गुजरात ने दिल्ली के सामने जीत के लिए 210 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था. जिसमें गिल, जोस बटलर और वॉशिंगटन सुंदर की तिकड़ी ने अर्धशतक लगा. जावब में दिल्ली की टीम 209 रन ही बना सकी. जिसमें केएल राहुल 92 रन बनाकर गलत समय पर आउट हो गए, जबकि मिलर 40 रन बनाकर नाबाद रहे।

दिल्ली मैच जीतने के बहुत करीब था. उनको आखिरी दो गेंदों पर दो रनों की जरूरत थी, लेकिन आखिरी गेंद पर कुलदीप यादव के रन-आउट होने से मुकाबला लखनऊ के पक्ष में चला गया.गेंदबाजी में, राशिद खान ने शानदार

प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में केवल 17 रन खर्च करके 3 अहम विकेट लिए. जिसमें समीर रिजवी का भी विकेट शामिल है।

इस शानदार प्रदर्शन की वजह से राशिद खान को प्लेयर ऑफ दि मैच का अवॉर्ड दिया गया. इस जीत के साथ गुजरात ने अंक तालिका में अपना खाता खोला और वो अब तीन मैच के बाद छठे नंबर पर पहुंच गए हैं।

दो गेंद पर दो रन नहीं बना सकी दिल्ली

दिल्ली को जीत के लिए आखिरी ओवर में 13 रनों की जरूरत थी. शुरू की 4 गेंदों पर ही मिलर ने एक छक्का, एक चौका और एक सिंगल लेकर 11 रन बना लिए थे. जहां से ये लगने लगा था की ये मैच दिल्ली अब नहीं हार सकती, आखिरी दो गेदों पर दो रनों की ही जरूरत थी, लेकिन पांचवी गेंद पर डेविड मिलर का कुलदीप यादव को सिंगल लेने से रोकना टीम पर भारी पड़ गया क्योंकि वो फिर आखिरी गेंद पर वो दो रन नहीं बना सके. प्रसिद्ध कृष्णा की स्लोवर बाउंसर को मिलर ने मिस कर दिया, बाकी का काम विकेट के पीछे से जोस बटलर ने कर दिया. जिससे वो एक रन भी नहीं बना पाए, और दिल्ली 210 रनों के विशाल लक्ष्य से एक रन पीछे रह गई।

ईरान की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री बारूदी सुरंगें बिछाए जाने के संकेत

» दुबई, भाषा।

ईरान की अर्धसरकारी समाचार एजेंसियों ने बृहस्पतिवार को एक चार्ट प्रकाशित किया जिससे संकेत मिला कि देश के अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने युद्ध के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री सुरंगें बिछाई है। इसे ऐसे संदेश के तौर पर देखा जा रहा है जिसका मकसद अमेरिका पर दबाव बनाना है। यह चार्ट ऐसे समय में प्रकाशित हुआ है जब अमेरिका और इजराइल के साथ हुए दो सप्ताह के युद्धविराम को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। होर्मुज जलडमरूमध्य का चार्ट आईएसएनए और तसीम समाचार एजेंसी ने जारी किया जिसे रिवोल्यूशनरी गार्ड का करीबी माना जाता है। चार्ट में पोतों द्वारा उपयोग किए जाने वाले मार्ग ट्रैफिक सेपरेशन स्कीम पर फारसी भाषा में खतरे का क्षेत्र अंकित करते हुए एक बड़ा घेरा दिखाया गया है।

इसी क्षेत्र में रिवोल्यूशनरी गार्ड द्वारा कथित तौर पर बारूदी सुरंगें बिछाई गई। चार्ट के अनुसार, पोतों को लारक द्वीप के निकट ईरान की मुख्यभूमि के करीब उत्तरी मार्ग से गुजरने का सुझाव दिया गया जिसका युद्ध के दौरान कुछ पोतों ने पालन भी किया। इस चार्ट में 28 फरवरी से लेकर बृहस्पतिवार (नौ अप्रैल) तक की अवधि दिखाई गई है। यह स्पष्ट नहीं है कि रिवोल्यूशनरी गार्ड ने उक्त मार्ग में बिछाई गई कथित सुरंगों को हटाया है या नहीं। माना जा रहा है कि यह कदम ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच संभावित वार्ता से पहले दो सप्ताह के युद्धविराम के दौरान दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर उठाया गया है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच अस्थिर युद्धविराम समझौते की शुरुआती शर्तों को लेकर तेहरान और वाशिंगटन ने एक-दूसरे से बिल्कुल अलग दावे किए हैं। ईरान के साथ युद्ध-विराम की घोषणा के कुछ घंटों बाद इजराइल ने बुधवार को मध्य बेरूत के घनी आबादी वाले कई आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्रों पर हवाई हमले किए जिसमें 182 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले, इजराइल ने लेबनान पर हमले के बाद कहा था कि ईरान के साथ हुआ युद्ध-विराम समझौता लेबनान में तेहरान के समर्थन वाले चरमपंथी समूह हिजबुल्ला के साथ उसकी लड़ाई पर लागू नहीं होता। उन्होंने लेबनान पर इजराइल के हालिया हमलों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वह एक अलग लड़ाई है। इस बीच, ईरान ने लेबनान पर हमलों को युद्धविराम का उल्लंघन बताया है। उसने इजराइल द्वारा लेबनान में हमले तेज किए जाने के जवाब में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर बंद कर दिया जिससे हाल में हुआ युद्धविराम खतरे में पड़ गया है।

इजराइल में लेबनान के हमले में कम से कम 182 लोगों की मौत

बेरूत, भाषा। ईरान के साथ युद्ध-विराम की घोषणा के कुछ घंटों बाद इजराइल ने बुधवार को मध्य बेरूत के घनी आबादी वाले कई आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्रों पर हवाई हमले किए जिसमें 182 लोगों की मौत हो गई।यह इजराइल-हिजबुल्ला युद्ध के दौरान एक दिन में हुई मौत की सर्वाधिक संख्या है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि इजराइल और अमेरिका के साथ हुए युद्ध-विराम समझौते में लेबनान को शामिल किया जाना था जबकि इजराइल व अमेरिका का कहना है कि इसमें लेबनान शामिल नहीं है। इससे पहले, इजराइल ने लेबनान पर हमले के बाद कहा था कि ईरान के साथ हुआ युद्ध-विराम समझौता लेबनान में तेहरान के समर्थन वाले चरमपंथी समूह हिजबुल्ला के साथ उसकी लड़ाई पर लागू नहीं होता। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी एक समाचार चैनल से कहा कि हिजबुल्ला की वजह से लेबनान को युद्ध-विराम समझौते में शामिल नहीं किया गया गया है। उन्होंने लेबनान पर इजराइल के हालिया हमलों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वह एक अलग लड़ाई है। हालांकि, समझौते में मध्यस्थता करने वाले पाकिस्तान ने पहले कहा था कि ईरान युद्ध में दो हफ्ते के युद्ध-विराम के तहत इजराइल अपने हमले रोक देगा।

ट्रंप नाटो से अलग होने के मुद्दे पर चर्चा कर रहे : लेविट

नाटो ने जरूरत के वक्त साथ नहीं दिया : ट्रंप

» वॉशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो महासचिव मार्क रुटे के साथ बंद कमरे में हुई बैठक के बाद सैन्य गठबंधन की पुनः आलोचना करते हुए दोहराया कि जरूरत के समय नाटो अमेरिका के साथ नहीं था। बैठक से पहले ट्रंप ने संकेत दिया था कि ईरान युद्ध के दौरान सहयोग नहीं मिलने पर अमेरिका नाटो से अलग होने पर विचार कर सकता है। बैठक के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर बड़े (कैपिटल) अक्षरों में लिखा, नाटो हमारे साथ नहीं था जब हमें उसकी जरूरत थी और आगे जरूरत पड़ने पर भी नहीं होगा। व्हाइट हाउस ने इस पर तत्काल कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप नाटो से अलग होने के मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो महासचिव मार्क रुटे के साथ बंद कमरे में हुई बैठक के बाद सैन्य गठबंधन की पुनः आलोचना करते हुए दोहराया कि जरूरत के समय नाटो अमेरिका के साथ नहीं था। बैठक से पहले ट्रंप ने संकेत दिया था कि ईरान युद्ध के दौरान सहयोग नहीं मिलने पर अमेरिका नाटो से अलग होने पर विचार कर सकता है। बैठक के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर बड़े (कैपिटल) अक्षरों में लिखा, नाटो हमारे साथ नहीं था जब हमें उसकी जरूरत थी और आगे जरूरत पड़ने पर भी नहीं होगा। व्हाइट हाउस ने इस पर तत्काल कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप नाटो से अलग होने के मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं। ट्रंप और रुटे के बीच यह बैठक ऐसे समय हुई जब अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति बनी है, जिसके तहत होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का रास्ता साफ हुआ है। अमेरिकी कांग्रेस 2023 में एक कानून पारित कर चुकी है, जिसके तहत कोई भी राष्ट्रपति कांग्रेस की मंजूरी के बिना नाटो से बाहर नहीं हो सकता। ट्रंप लंबे समय से नाटो की आलोचना करते रहे हैं। उन्होंने अपने पहले कार्यकाल में भी संकेत दिया था कि वह गठबंधन से बाहर निकल सकते हैं। नाटो की स्थापना 1949 में यूरोप की सुरक्षा के लिए की गई थी और इसके 32 सदस्य देशों के बीच सामूहिक रक्षा समझौता लागू है। ट्रंप ने ईरान युद्ध के दौरान यह भी आरोप लगाया कि नाटो देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा में अमेरिका का साथ नहीं दिया। उन्होंने कहा था कि इस महत्वपूर्ण मार्ग की सुरक्षा उन देशों की जिम्मेदारी है, जो इसके जरिए तेल पर निर्भर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, नाटो के कुछ सदस्य देशों जैसे स्पेन और फ्रांस ने ईरान युद्ध के दौरान अमेरिका को अपने हवाई क्षेत्र या सैन्य ठिकानों के उपयोग पर सीमाएं लगाई, जिससे ट्रंप नाराज बताए जा रहे हैं। ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर भी नाराजगी जताई, जो नाटो सदस्य डेनमार्क का स्वायत्त क्षेत्र है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण की बात कही थी, लेकिन बाद में पीछे हट गए। इस बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने रुटे से अलग बैठक में ईरान युद्ध, रूस-यूक्रेन संघर्ष और नाटो सहयोग बढ़ाने के मुद्दों पर चर्चा की।

ईरान का प्रतिनिधिमंडल अमेरिका के साथ वार्ता के लिए बृहस्पतिवार को इस्लामाबाद पहुंचेगा

इस्लामाबाद, भाषा। अविश्वास के माहौल के बीच ईरान ने पुष्टि की है कि उसका 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल अमेरिका और इजराइल के साथ जारी विवाद के समाधान के लिए प्रस्तावित वार्ता में भाग लेने के वास्ते बृहस्पतिवार को पाकिस्तान पहुंचेगा। दो सप्ताह के युद्ध-विराम के कुछ ही दिनों बाद यह अहम वार्ता शुक्रवार को इस्लामाबाद में प्रस्तावित है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा था कि उन्होंने पाकिस्तान के प्रस्ताव पर ईरान के साथ दो सप्ताह के युद्ध-विराम पर सहमति जताई है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिका और ईरान, दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों को शुक्रवार यानी 10 अप्रैल को इस्लामाबाद आमंत्रित किया है, ताकि सभी विवादों के समाधान के लिए आगे की बातचीत की जा सके। पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मोघदम ने अपने देश के प्रतिनिधिमंडल की भागीदारी की पुष्टि करते हुए कहा कि इजराइल द्वारा कथित युद्ध-विराम उल्लंघनों के कारण ईरानी जनमत में शांति वार्ता को लेकर संदेह बना हुआ है। उन्होंने एक्स पर कहा, इजराइल की सरकार द्वारा बार-बार युद्ध-विराम उल्लंघन और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की ओर से आमंत्रित कूटनीतिक पहल को विफल करने के प्रयासों के बावजूद, ईरानी प्रतिनिधिमंडल आज रात इस्लामाबाद पहुंच रहा है और ईरान के 10 बिंदुओं के प्रस्ताव के आधार पर गंभीर वार्ता करेगा। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के भी इस्लामाबाद पहुंचने की संभावना है, हालांकि उनके आगमन का समय घोषित नहीं किया गया है।

ईरान युद्ध के कारण वैश्विक खाद्य कीमतों में वृद्धि का खतरा : आईएमएफ, विश्व बैंक और डब्ल्यूएफपी

वाशिंगटन, भाषा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक और विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने कहा है कि पश्चिम एशिया में युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों में जो सबसे बड़ा व्यवधान पैदा किया है, उससे खाद्य कीमतों और खाद्य सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ेगा। तीनों संस्थाओं के प्रमुखों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि बढ़ती खाद्य कीमतों का सबसे अधिक भार दुनिया की कमजोर आबादी पर पड़ेगा। उन्होंने कहा, तेल, गैस और उर्वरक की कीमतों में तेज़ वृद्धि, साथ ही परिवहन बाधाओं के कारण, खाद्य कीमतों और खाद्य असुरक्षा में वृद्धि अवश्य होगी। संस्थाओं ने कहा कि वे इस स्थिति की गहन निगरानी करेंगे और संकट से प्रभावित लोगों का समर्थन करने के लिए उपलब्ध सभी संसाधनों का समन्वय करेंगे। बयान में यह भी कहा गया कि विशेष रूप से कम आय वाले और आयात-निर्भर देशों में, ईंधन और खाद्य कीमतों में वृद्धि सरकारों की सीमित वित्तीय क्षमता के कारण कमजोर घरों पर सबसे अधिक प्रभाव डालेगी। तीनों संस्थाओं ने आश्वासन दिया कि वे जीवन और आजीविका की रक्षा, और स्थिरता, विकास और रोजगार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दीर्घकालिक पुनर्प्राप्ति के लिए समर्थन जारी रखेंगी। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान दो सप्ताह का युद्धविराम समझौता किया है। अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था क्योंकि उसने अपने परमाणु ईंधन के भंडार छोड़ने से इनकार कर दिया था।

न्यूज ब्रीफ

पश्चिम एशिया संकट के कारण अर्थव्यवस्था पर पड़े असर से निपटने को परिषद का गठन

» इस्लामाबाद, भाषा।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण देश की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा पर पड़े प्रभावों से निपटने के लिए एक विशेष परिषद का गठन किया है। राष्ट्रीय समन्वय एवं प्रबंधन परिषद (एनसीएमसी) का गठन अमेरिका और ईरान के बीच हुए दो सप्ताह के युद्धविराम से कुछ घंटे पहले किया गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को घोषणा की थी कि उन्होंने पाकिस्तान के प्रस्ताव पर ईरान के साथ दो सप्ताह के युद्ध-विराम पर सहमति जताई है। एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, एनसीएमसी की कार्यकारी समिति की सह-अध्यक्षता आर्थिक मामलों के मंत्री अहद खान चीमा और लेफ्टिनेंट जनरल जफर इकबाल कर रहे हैं। इस परिषद में सभी संघीय विभागों, प्रांतीय सरकारों और विशेष क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व शामिल है। परिषद को किसी भी अप्रिय स्थिति में आंतरिक सुरक्षा प्रबंधन का दायित्व सौंपा गया है जिसमें संभावित आंतरिक विस्थापन और शरणार्थियों के मुद्दे शामिल हैं।

यह परिषद वित्तीय, आर्थिक और व्यापार संबंधी नीतिगत उपायों के प्रबंधन और क्रियान्वयन के लिए भी जिम्मेदार होगी। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर अनुसार, बुधवार को एनसीएमसी की कार्यकारी समिति की पहली बैठक में यह निर्णय लिया गया कि युद्ध का खतरा अब भी बने रहने के कारण परिषद अपना काम जारी रखेगी, क्योंकि भले ही युद्ध-विराम स्थाई शांति समझौते में बदल जाए लेकिन अर्थव्यवस्था को सामान्य होने में कई सप्ताह लग सकते हैं। परिषद ने घरेलू ऊर्जा जरूरतों का आकलन करने के बाद अधिशेष फर्नेस ऑयल (भारी ईंधन तेल) के निर्यात की अनुमति दी। कम से कम दो रिफाइनरियों ने सीमित भंडारण क्षमता का मुद्दा उठाया था, जिसके कारण अतिरिक्त मात्रा का निर्यात जरूरी हो गया। वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने ईंधन आपूर्ति की निगरानी और सुरक्षा संबंधी समिति की अध्यक्षता की और देशभर में किसी प्रकार की कमी न होने देना सुनिश्चित किया। एक अन्य समिति युद्ध के कारण पाकिस्तान के निर्यात पर पड़ने वाले संभावित असर को कम करने के उपायों पर काम कर रही थी।

इजराइली हमलों में अल जजीरा के संवाददाता और दो लेबनानी पत्रकारों की मौत

» बेरुत, भाषा।

अल जजीरा नेटवर्क और गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इजराइल के हमलों में बुधवार को गाजा में अल जजीरा के एक संवाददाता की मौत हो गई। वहीं, कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट संगठन और उसके एक नेटवर्क ने बताया कि इस हमले में लेबनान की दो महिला पत्रकार भी मारी गई हैं। इजराइली सेना के अरबी भाषा के प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने एक्स पर बताया कि मोहम्मद विशाह पश्चिमी गाजा शहर में ड्रोन हमले में मारे गए।

उन्होंने विशाह को हमास का सदस्य बताते हुए 2024 के एक ट्वीट को दोबारा साझा किया जिसमें विशाह को अन्य पदों के साथ-साथ हमास की सैन्य शाखा में एक प्रमुख कमांडर के रूप में वर्णित किया गया था। लेबनान में बुधवार को हिजबुल्ला को निशाना बनाकर किए गए इजराइली हमलों में 180 से अधिक लोग मारे गए, वहीं सवत अल-फराह की प्रस्तुतकर्ता गादा दएख और हिजबुल्ला के अल-मनार टीवी और अल-नूर रेडियो की रिपोर्टर और प्रस्तुतकर्ता सुजान खलील की भी मौत हो गई।

ब्रिटेन, नॉर्वे ने उत्तरी अटलांटिक में रूसी पनडुब्बियों को रोकने के लिए सैन्य अभियान का नेतृत्व किया

» लंदन, भाषा।

ब्रिटेन और नार्वे की सेनाओं ने उत्तरी अटलांटिक महासागर में दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों में शामिल रूसी पनडुब्बियों को रोकने के लिए एक सैन्य अभियान का नेतृत्व किया। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री जॉन हीली ने कहा कि एक पोत, विमानों और सैकड़ों सैन्य कर्मियों ने ब्रिटेन के उत्तर में समुद्र के नीचे बिछी केबल और पाइपलाइन के पास एक रूसी हमलावर पनडुब्बी और दो जासूसी पनडुब्बियों पर नजर रखी।

उन्होंने कहा कि एक महीने से अधिक समय तक चलाए गए अभियान के बाद रूसी जहाज अंतत रवाना हो गए। हीली ने रूस को संदेश देते हुए कहा, हम अपनी केबल और पाइपलाइन पर आपकी गतिविधियों को देख रहे हैं और आपको पता होना चाहिए कि इन्हें नुकसान पहुंचाने का कोई भी प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसके गंभीर परिणाम होंगे।

उत्तर कोरिया ने अपने हालिया हथियार परीक्षणों में क्लस्टर बम वारहेड मिसाइलों की जानकारी दी

» सियोल, भाषा।

उत्तर कोरिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस सप्ताह किए गए हथियार परीक्षणों में विभिन्न नई प्रणाली शामिल थीं, जिनमें क्लस्टर-बम वॉरहेड से युक्त बैलिस्टिक मिसाइलें भी थीं। उत्तर कोरिया का यह कदम दक्षिण कोरिया के खिलाफ अपनी परमाणु-सक्षम क्षमताओं का विस्तार करने की दिशा में उठाया गया है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक केसीएनए समाचार एजेंसी के अनुसार, सोमवार से शुरू हुए तीन दिवसीय परीक्षणों में वायु रक्षा हथियार, कथित विद्युत चुंबकीय हथियार प्रणाली और कार्बन-फाइबर बमों का प्रदर्शन भी शामिल था।

दक्षिण कोरिया की संयुक्त रक्षा प्रमुख ने कहा कि बुधवार को लॉन्च की गई मिसाइलें 240 से 700 किमी की दूरी तय कर समुद्र में गिरीं। केसीएनए ने बताया कि परीक्षणों में ह्वासोंग-11 बैलिस्टिक मिसाइलों पर क्लस्टर-बम वॉरहेड सिस्टम का प्रदर्शन भी शामिल था, जो रूस की इस्कंदर मिसाइलों जैसे डिजाइन वाले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस मिसाइल से 6.5-7 हेक्टेयर क्षेत्र में उच्चतम घनत्व की शक्ति के साथ लक्ष्य नष्ट किया जा सकता है। दक्षिण कोरिया के सैन्य प्रवक्ता जांग दो-यंग ने कहा कि सैन्य अधिकारी प्रक्षेपण का विश्लेषण कर रहे हैं और अमेरिका और जापान के अपने समकक्षों के साथ जानकारी साझा कर रहे हैं। उन्होंने उत्तर कोरिया के सैन्य क्षमता दावों पर कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं की। प्योंगयांग के विदेश मंत्रालय के प्रथम उप-मंत्री जांग कम चोल ने मंगलवार रात कहा कि दक्षिण कोरिया हमेशा उत्तर का सबसे शत्रुतापूर्ण विरोधी देश रहेगा। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने 2019 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ परमाणु वार्ता विफल होने के बाद सियोल और वॉशिंगटन के साथ लगभग सभी कूटनीतिक गतिविधियां एक तरह से रोक दीं और एशियाई अमेरिकी सहयोगियों और अमेरिका को निशाना बनाने वाली परमाणु-सक्षम मिसाइलों के विकास को तेज कर दिया। उत्तर कोरिया और चीन के बीच कूटनीति के नवीनतम दौर में, चीनी विदेश मंत्री वांग ई बृहस्पतिवार को दो-दिवसीय दौरे पर उत्तर कोरिया पहुंच रहे हैं।

एरिज़ोना के छोटे हवाई अड्डे पर विमान दुर्घटना, दो की मौत

मराना (एरिजोना), भाषा। एरिजोना के एक छोटे हवाई अड्डे पर विमान दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। माराना के मेयर जॉन पोस्ट ने बताया कि विमान हवाई पट्टी से बाहर चला गया और उसमें आग लग गई। शहर के प्रवक्ता विक हँथवे ने कहा कि विमान में दो लोग सवार थे, जिनकी मौत हो गई। उनकी अभी पहचान नहीं हो पाई है। माराना पुलिस विभाग ने बताया कि दुर्घटना में किसी अन्य को चोट नहीं लगी। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) दुर्घटना के कारण की जांच कर रहा है। माराना, टक्सन से लगभग 32 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित है।

युद्धविराम के बावजूद ईरान समर्थित साइबर हमले जारी रहने की आशंका

» वाशिंगटन, भाषा।

ईरान से संबद्ध हैकर समूहों ने संकेत दिया है कि ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच अस्थिर युद्धविराम लंबे समय तक उनके जवाबी साइबर हमलों को नहीं रोक पाएगा। अमेरिकी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने इस चेतावनी को गंभीरता से लेने की सलाह दी है। हंदाला नामक एक प्रमुख हैकर समूह ने युद्धविराम की घोषणा के बाद कहा कि वह अमेरिका पर हमलों को अस्थाई रूप से टाल रहा है, लेकिन इजराइल को निशाना बनाना जारी रखेगा। समूह ने यह भी कहा कि उचित समय आने पर वह अमेरिका के खिलाफ अपनी गतिविधियां फिर शुरू करेगा। दो सप्ताह का यह युद्धविराम पहले ही पक्षों के बीच मतभेदों के कारण कमजोर पड़ता दिखाई दे रहा है और सभी पक्ष युद्ध में अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं।

फलस्तीन समर्थक और ईरान समर्थक हंदाला नेटवर्क ने अमेरिकी चिकित्सा उपकरण विनिर्माता स्ट्राइकर के कामकाज में बाधा डालने और एफबीआई निदेशक काश पटेल के निजी ईमेल खाते में सेंध लगाने सहित कई साइबर हमलों की जिम्मेदारी ली है। यह समूह ईरान से जुड़े कई प्रॉक्सी

हैकर नेटवर्क में से एक है और तेहरान से स्वतंत्र रूप से काम करता है। समूह ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, हमने यह युद्ध शुरू नहीं किया, लेकिन इसे खत्म हम ही करेंगे। साइबर युद्ध सैन्य संघर्ष के साथ शुरू नहीं हुआ था और किसी युद्धविराम के साथ खत्म नहीं होगा। अमेरिकी अधिकारियों ने मंगलवार को चेतावनी दी कि ईरान समर्थक हैकर ऐसे इंटरनेट से जुड़े कंप्यूटर सिस्टम में घुसपैठ कर चुके हैं, जो विभिन्न महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्रों में तकनीकी संचालन को नियंत्रित करते हैं। ये सिस्टम बंदरगाहों, बिजली संयंत्रों और जल संयंत्रों में उपयोग किए जाते हैं।

ईरान ने फिर बंद किया होर्मुज जलडमरुमध्य, इजराइल-लेबनान हमलों से युद्धविराम पर संकट

तेहरान, भाषा। ईरान ने इजराइल द्वारा लेबनान में हमले तेज किए जाने के जवाब में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर बंद कर दिया, जिससे हाल में हुआ युद्धविराम खतरे में पड़ गया है। अमेरिका ने जलडमरूमध्य को तत्काल खोलने की मांग की है और शांति वार्ता को पटरी पर बनाए रखने की कोशिश की है। अमेरिका और ईरान दोनों ने समझौते को अपनी-अपनी जीत बताया है, वहीं क्षेत्र में ड्रोन और मिसाइल हमले जारी हैं। इस बीच इजराइल ने लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं। बेरूत में व्यावसायिक और रिहायशी इलाकों पर हमले किए गए। इन हमलों में बुधवार को कम से कम 182 लोगों की मौत हुई। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने कहा कि प्रस्तावित वार्ता अतार्किक है क्योंकि अमेरिका ने युद्ध विराम की शर्तों का उल्लंघन किया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी कहा कि लेबनान में संघर्ष खत्म करना युद्धविराम का हिस्सा था, जबकि इजराइल और अमेरिका ने इससे इनकार किया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने जलडमरूमध्य बंद करने को पूरी तरह अस्वीकार्य बताया।

न्यूयॉर्क में यहूदी केंद्र पर हमले की साजिश रचने का आरोपी पाकिस्तानी नागरिक दोषी करार

न्यूयॉर्क, भाषा। एक पाकिस्तानी नागरिक ने 2024 में न्यूयॉर्क के एक यहूदी केंद्र पर आईएसआईएस से प्रेरित हमले की साजिश रचने के मामले में अपना जुर्म स्वीकार किया है। मुहम्मद शाहजेब खान (21) ने अमेरिका में घुसने और ब्रूकलिन स्थित एक प्रमुख यहूदी धार्मिक केंद्र पर स्वचालित हथियारों से गोलीबारी करने की साजिश रची थी। उसने बुधवार को अमेरिकी जिला न्यायाधीश पॉल गार्डेफे के समक्ष अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद से जुड़े अपराध के एक आरोप में दोष स्वीकार किया, जिसके लिए अधिकतम सजा आजीवन कारावास है। सजा अगस्त में सुनाई जाएगी। पाकिस्तानी नागरिक खान कनाडा में रह रहा था और उसे शाहजेब जदून के नाम से भी जाना जाता है। अधिकारियों के अनुसार, खान ने सात अक्टूबर 2024 को हमास के हमलों के एक साल पूरे होने के आसपास इस हमले को अंजाम देने की योजना बनाई थी, ताकि अधिकतम संख्या में यहूदियों को निशाना बनाया जा सके। जांच में सामने आया कि 2023 के आखिर से ही खान सोशल मीडिया पर आईएसआईएस के समर्थन में प्रचार सामग्री साझा कर रहा था और अमेरिका में हमले की योजना बना रहा था। उसने अपनी योजना दो ऐसे व्यक्तियों से साझा की, जो अंडरकवर अधिकारी थे। खान ने उनसे राइफल, गोला-बारूद और अन्य उपकरण जुटाने को कहा तथा हमले के संभावित स्थान भी बताए। बाद में उसने लक्ष्य बदलकर न्यूयॉर्क के ब्रूकलिन स्थित यहूदी केंद्र को चुना। सितंबर 2024 में वह एक मानव तस्कर की मदद से कनाडा से अमेरिका में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन सीमा से करीब 12 मील पहले ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। सुनवाई के दौरान खान ने कहा कि वह ब्रूकलिन में यहूदियों की हत्या करने के इरादे से अमेरिका जा रहा था।

21वीं सदी के लिए भारत-अमेरिका साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अहम

विक्रम मिसरी ने वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों के साथ वार्ता कर रक्षा, व्यापार संबंधों पर चर्चा की

» वाशिंगटन, भाषा।

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों से यहां मुलाकात की तथा रक्षा एवं व्यापार संबंधों को और गहरा करने को लेकर उनके साथ चर्चा की। इस दौरान उन्होंने हिंद-प्रशांत और पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। अमेरिका की तीन दिन की यात्रा पर आए मिसरी ने अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के अवर सचिवों माइकल डफी और एलब्रिज कोल्बी तथा वाणिज्य मंत्रालय के अवर सचिवों जेफरी केसलर और विलियम किमिट से मुलाकात की।

अमेरिका में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रक्षा क्षेत्र में भारत-अमेरिका के बीच आदान-प्रदान की गति को बनाए रखते हुए विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने युद्ध नीति मामलों के लिए अवर सचिव एल्ब्रिज कोल्बी के साथ पेंटागन में व्यापक बातचीत की जिसमें हिंद-प्रशांत क्षेत्र और पश्चिम एशिया में जारी घटनाक्रम पर चर्चा हुई। कोल्बी ने पिछले महीने भारत का दौरा किया था और नई दिल्ली में भारत-अमेरिका रक्षा नीति समूह की बैठक के इतर मिसरी से मुलाकात की थी। मिसरी की रक्षा मंत्रालय में अधिग्रहण और अनुरक्षण के लिए अवर सचिव डफी के साथ भी पेंटागन (अमेरिकी रक्षा मंत्रालय) में सार्थक बातचीत हुई। भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा, विदेश सचिव विक्रम मिसरी की पेंटागन में अधिग्रहण और अनुरक्षण के लिए युद्ध विभाग के अवर सचिव माइक डफी के साथ सार्थक बातचीत हुई। दूतावास ने कहा कि दोनों पक्षों

ने पिछले वर्ष हस्ताक्षरित द्विपक्षीय प्रमुख रक्षा साझेदारी के ढांचे में तय महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के अनुरूप भारत और अमेरिका के बीच रक्षा उद्योग, प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला संबंधों को और गहरा करने के उपायों पर चर्चा की। मिसरी ने यहां वाणिज्य मंत्रालय में अवर सचिवों जेफरी केसलर और विलियम किमिट से भी मुलाकात की। केसलर उद्योग एवं सुरक्षा ब्यूरो के लिए अवर सचिव हैं, जबकि किमिट अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रशासन के लिए अवर सचिव हैं। दूतावास ने कहा, विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अवर सचिवों जेफरी केसलर और विलियम किमिट से मुलाकात की ताकि वाणिज्यिक और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में सहयोग का विस्तार किया जा सके जो 21वीं सदी के लिए भारत-अमेरिका साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अहम हैं। उन्होंने मजबूत और भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण पर भी चर्चा की। मिसरी भारत-अमेरिका व्यापार और रक्षा संबंधों की समीक्षा करने तथा पश्चिम एशिया के संकट सहित वैश्विक घटनाक्रम पर चर्चा के लिए अमेरिका की यात्रा पर हैं। उनकी यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब अमेरिका और भारत दोनों अनिश्चितता और तनाव के दौर के बाद संबंधों को स्थिर करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com